ज्येष्ठ शुक्ल - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 299 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 29-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 फ्रांस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ : रविशंकर प्रसाद

6 जरूरी है परमाणु जवाबदेही बाधाओं से मुक्ति

7 हर छोटा कदम मायने रखता है : संदीपा धर

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान में विवाहित हिंदू महिला का अपहरण कर मुस्लिम से करा दी गई शादी

कराची/भाषा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की एक महिला का कथित तौर पर अपहरण कर उसे जबरन इस्लाम कबूल करवाया गया और मुस्लिम व्यक्ति से उसकी शादी करा दी गई। महिला के परिवार ने यह दावा किया है। अपहृत महिला के परिवार ने बुधवार को सरकार और अधिकारियों से दक्षिणी सिंध प्रांत के मीरपुरखास के दिघरी इलाके से उसे बरामद करने की अपील की है। महिला का पति और उसके चार बच्चे मामला दायर कराने के लिए मीरपुरखास स्थित गैर सरकारी संगठन 'दरावर इत्तेहाद पाकिस्तान' के कार्यालय में आए थे। अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं के कल्याण और अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले गैर सरकारी संगठन के प्रमुख शिवा काछी ने कहा कि महिला का अपहरण किया गया, फिर उसे जबरन इस्लाम कबूल करवाया गया और शहबाज खशखेली नामक एक मुस्लिम व्यक्ति से उसकी शादी करा दी गई।

सूडान में हैजा फैलने से एक हफ्ते में 170 से अधिक लोगों की मौत

काहिरा/एपी। सूडान में हैजा फैलने से बीते एक सप्ताह में कम से कम 172 लोगों की मौत हो गई है और 2,500 से अधिक लोग बीमार पाए गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, सबसे ज्यादा मामले राजधानी खार्तूम और उससे सटे शहर ओमडुरमैन में सामने आए हैं। उत्तरी कोर्डोफन, सेन्नार, गजीरा, वाइट नील और नील नदी प्रांतों में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है। 'डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' (एमएसएफ) की सूडान समन्वयक जॉयस बेक्कर ने बताया कि मई के मध्य से संक्रमण के मामलों में तेज़ी आयी है। सिर्फ पिछले हफ्ते एमएसएफ की टीमों ने 2,000 से अधिक संदिग्ध मरीजों का इलाज किया।

नेतन्याहू को ईरान पर हमला रोकने को कहा है ताकि परमाणु वार्ता के लिए अधिक समय मिल सके : ट्रंप

विएना/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से ईरान पर हमला रोकने को कहा है ताकि अमेरिकी प्रशासन को तेहरान के साथ नए परमाणु समझौते पर आगे बढ़ने के लिए और समय मिल सके। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, ''मैंने उनसे कहा कि अभी ऐसा करना अनुचित होगा क्योंकि हम समाधान के बहुत करीब हैं।''

29-05-2025 सूर्यास्त 6:31 बजे | 30-05-2025 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
81,312.32	24,752.45
(-239.31)	(-73.75)

सोना	चांदी
10,098 रु.	111,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दुरभि संधि

गा रहे पुतिन भी सोंग नया,
डोनाल्ड कर रहे डांस जबर।
जिनपिंग को सूंघ रहा मिडिया,
चैनल पर जारी चबर-चबर।
सचमुच क्या ये सनकी राजे,
धारेंगे मन में जरा सबर।
है दुरभि संधि इक दूजे से,
मिडिया चाहे बस बने खबर।।

हमारे अस्तित्व और राष्ट्रीय अखंडता के लिए चुनौती हैं घुसपैठिये : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगामी दशकीय जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का सरकार का हालिया निर्णय, एक परिवर्तनकारी निर्णय, शासन में एक मील का पत्थर है।

मुंबई/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि घुसपैठियों ने, जिनकी संख्या करीब दो करोड़ है, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को खतरे में डाल दिया है।

धनखड़ ने कहा, ''जब हमारी सीमा की शुचिता अनियंत्रित घुसपैठियों द्वारा भंग की जाती है, तो यह कानून और व्यवस्था का सवाल नहीं बल्कि हमारे अस्तित्व और राष्ट्रीय अखंडता का सवाल होता है।''

वह मुंबई में अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस) के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''ये लोग हमारे राष्ट्रीय संसाधनों में बड़े हिस्से की मांग करते हैं। वे हमारे हाथों से काम छीन लेते हैं और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को खतरे में डालते हैं।''

धनखड़ ने छात्रों से कहा,''हमेशा ऐसी चुनौतियों से सावधान रहें जिसके तहत जनसांख्यिकीय संतुलन में नैसर्गिक विकास द्वारा नहीं बल्कि भयावह, सुनियोजित साजिश द्वारा हेरफेर किया जाता है।'' उन्होंने कहा कि अब यह प्रवास का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि जनसांख्यिकीय आक्रमण का सवाल है।

धनखड़ ने कहा, ''भारत ने इसे सहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश में दो करोड़ से अधिक घुसपैठिये हैं। क्या हम उन्हें वहन कर सकते हैं? हमें इस देश में ऐसे लोगों की जरूरत है जो हमारी सभ्यता के प्रति प्रतिबद्ध हों।'' उन्होंने कहा, ''धीमी और दीर्घकालिक जनसांख्यिकीय बदलावों होते हैं। जो सामान्य और प्राकृतिक और जनसांख्यिकीय परिवर्तन हैं। उन्हें होना ही है, लेकिन वे आमतौर पर धीमे और दीर्घकालिक होते हैं।''

धनखड़ ने कहा, ''कुछ भौगोलिक क्षेत्रों की बनावट बदलने के उद्देश्य से साजिशन, अच्छी तरह से संरचित, बुरी मंशा से बदलाव किए जा रहे हैं। ये सबसे ज्यादा चिंताजनक रुझान हैं।'' उन्होंने कहा कि यद्यपि प्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव धीरे-धीरे होते हैं, लेकिन कुछ क्षेत्रों की जनसांख्यिकीय संरचना में जानबूझकर और योजनाबद्ध तरीके से किए गए बदलाव गंभीर चिंता का विषय हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा, '' हमारी जनसांख्यिकी में ये सुनियोजित परिवर्तन अक्सर राजनीतिक या रणनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित होते हैं जो निश्चित रूप से हमारे राष्ट्र के लिए अच्छे नहीं हैं। ये हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक संतुलन को बिगाड़ते हैं।

पश्चिमी सीमावर्ती राज्यों में आज होगी नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने जम्मू-कश्मीर से गुजरात तक पश्चिमी सीमा से सटे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी जिलों में बृहस्पतिवार को नागरिक सुरक्षा अभ्यास करने का फैसला किया है जिसमें दुश्मन के विमानों, ड्रोन, मिसाइल हमलों का सामना करने का अभ्यास किया जाएगा। अग्निशमन सेवा एवं होमगार्ड महानिदेशालय ने एक संदेश में बताया कि नागरिक सुरक्षा अभ्यास 'ऑपरेशन शील्ड' जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और चंडीगढ़ में संचालित किया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने से कुछ घंटे पहले सरकार ने देश भर में पहला नागरिक सुरक्षा अभ्यास आयोजित किया था। सूत्रों ने बताया कि नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अनुरोध किया है कि वे सभी स्थानीय प्रशासन और पक्षकारों को शामिल करते हुए अभ्यास की योजना बनाएं और बृहस्पतिवार शाम पांच बजे से उसका आयोजन करें।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गौरव गोगोई की पत्नी पर आरोप लगाया कि

गौरव की पत्नी ने पाक एजेंसी के लिए आईबी रिपोर्ट एकत्रित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी पाकिस्तानी जलवायु लॉबी की ओर से विभिन्न खुफिया दस्तावेज एकत्र कर रही थीं।

शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि असम सरकार के पास गोगोई और उनकी पत्नी के पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ संबंधों के आरोपों को पुष्ट करने के लिए दस्तावेजी सबूत हैं और वह 10 सितंबर तक सब कुछ सार्वजनिक कर देंगे।

शर्मा के आरोप से कुछ घंटे पहले असम कांग्रेस के नवनियुक्त प्रमुख द्वारा उन दावों को खारिज कर दिया गया था जिनमें कहा गया था कि उनके पाकिस्तानी प्रतिष्ठान से कथित संबंध हैं। गोगोई ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी इस मुद्दे को सी- ग्रेड बॉलीवुड फिल्म की तरह उठा रही है, जो बुरी तरह फ्लॉप होने वाली है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''गौरव की पत्नी ने आसूचना ब्यूरो (आईबी) के दस्तावेजों की निगरानी की और उन्हें उद्धृत किया। इसका मतलब है कि आईबी में उनका कोई व्यक्ति जरूर है। यह बहुत गंभीर आरोप है। मेरे पास यह साबित करने के लिए दस्तावेज हैं कि उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न विभिन्न खुफिया रिपोर्ट एकत्र करने में शामिल थीं।'' शर्मा ने कहा कि वह जलवायु लॉबी के लिए काम करती हैं और पाकिस्तान के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। गोगोई के बारे में बात करते हुए शर्मा ने आरोप लगाया, वह पूरी तरह से पाकिस्तानी एजेंट हैं। दोनों पति-पत्नी भारत विरोधी गतिविधियों में गहराई से शामिल हैं। उनका पूरा रिश्ता पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ था... उन्होंने 2017-18 तक इस रिश्ते को बनाए रखा।

किसानों के लिए जारी रहेगी ब्याज सहायता योजना

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमआईएसएस को मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ जारी रखने का निर्णय मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 2025-26 के लिए संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को जारी रखने की बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सस्ती दर पर अल्पकालिक ऋण मिलता है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमआईएसएस को मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ जारी रखने का निर्णय मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया। योजना को जारी रखने से सरकारी खजाने पर 15,640 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा।

एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केसीसी के माध्यम से सस्ती ब्याज दर पर किसानों को अल्पकालिक ऋण उपलब्ध हो।

एमआईएसएस के तहत किसानों को केसीसी के माध्यम से सात प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर तीन लाख रुपए तक का अल्पावधि ऋण मिलता है, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता दी जाती है।

इसके अतिरिक्त, समय पर कर्ज चुकाने वाले किसान, शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में तीन प्रतिशत तक की प्रोत्साहन राशि के लिए पात्र होते हैं। इससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से कम हो कर चार प्रतिशत रह जाती है।

खरीफ के 14 फसलों की एमएसपी में वृद्धि

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 में खरीफ की फसल के लिए धान, बाजरा, मक्का, उडद, मूंगफली और सूरजमुखी बीज सहित 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी।

बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि विपणन सीजन 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दे दी गयी है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड में 820 रुपये प्रति क्विंटल, रागी में 596 रुपये प्रति क्विंटल, कपास में 589 रुपये प्रति क्विंटल और तिल में 579 रुपये प्रति क्विंटल की गयी है। श्री वैष्णव ने बताया कि धान 'सामान्य' का एमएसपी का 2300 रुपए से बढ़ाकर 2369 रुपए और धान 'ए' का 2320 रुपए से 2389 रुपए प्रति क्विंटल, ज्वार 'संकर' का 3371 रुपए से 3699 रुपए प्रति क्विंटल और ज्वार 'मालदंडी' का 3421 रुपए से 3749 रुपए प्रति क्विंटल, बाजरा का 2625 रुपए से 2775 रुपए, रागी का 4290 रुपए से 4886 रुपए और मक्का का 2225 रुपए से 2400 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि अरहर का एमएसपी 7550 रुपए से बढ़ाकर 8000 रुपए प्रति क्विंटल, मूंग का 8682 रुपए से 8786 रुपए प्रति क्विंटल और उडद का 7400 रुपए से 7800 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसके अलावा मूंगफली का एमएसपी 6783 रुपए से बढ़ाकर 7263 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी के बीज का 7280 रुपए से 7721 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन-पीला का 4892 रुपए से 5328 रुपए प्रति क्विंटल, तिल का 9267 रुपए से 9846 रुपए प्रति क्विंटल, नाइजर सीड 8717 रुपए से 9537 रुपए प्रति क्विंटल और कपास - मध्यम का 7121 रुपए से 7710 रुपए और कपास - लंबा 7521 रुपए से 8110 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है।

आतंक के खिलाफ

अपने लोगों की रक्षा करने के भारत के अधिकार को विभिन्न देशों ने मान्यता दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत ने पहलगाम हमले के मद्देनजर आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करके ''दृढ़ और सटीक'' जवाब दिया तथा आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के देश के अधिकार को दुनिया भर के देशों ने भी मान्यता दी है।

यहां इतालवी दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद इटली द्वारा व्यक्त की गई एकजुटता को भी याद किया। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-इटली द्विपक्षीय संबंध ''निस्संदेह उन्नति की ओर अग्रसर हैं।''

यह कार्यक्रम बुधवार शाम इटली के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया।

जयशंकर ने कहा, ''हम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद भारत के प्रति इटली की एकजुटता और समर्थन के लिए आभारी हैं। भारत ने आतंकवादी केंद्रों और ठिकानों को नष्ट करके दृढ़, सटीक जवाब दिया।''

भारत ने पहलगाम हमले के जवाब में छह मई की देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमलों के साथ पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा, ''आतंकवादी कृत्यों के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के भारत के अधिकार को दुनिया भर के देशों ने भी मान्यता दी है। हमारा मानना है कि दुनिया आतंकवाद और सीमा पार आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता रखेगी।''

भारत के अनुरोध पर इंटरपोल ने पहला सिल्वर नोटिस जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। इंटरपोल ने वीजा धोखाधड़ी के सिलसिले में वांछित फ्रांसीसी दूतावास के पूर्व अधिकारी शुभम शौकीन की वैश्विक संपत्तियों पता लगाने के लिए भारत के अनुरोध पर पहला सिल्वर नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिल्वर नोटिस एक रंग-अधारित नोटिस है जिसकी शुरुआत इंटरपोल द्वारा इस साल जनवरी में की गई थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर में अवैध संपत्तियों की जानकारी जुटाना और उनका पता लगाना है।

हमास के वरिष्ठ नेता

मोहम्मद सिनवार को इजराइल ने मार गिराया : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल ने हमास के वरिष्ठ नेता मोहम्मद सिनवार को मार गिराया है।

नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में हाल में हुए एक हवाई हमले में मोहम्मद सिनवार के मारे जाने की परोक्ष तौर पर पुष्टि कर दी।

नेतन्याहू ने संसद को संबोधित करते हुए सिनवार को इजराइली हमलों में मारे गए हमास नेताओं की सूची में शामिल किया।

मोहम्मद सिनवार हमास नेता याह्या सिनवार का भाई है, जो सात अक्टूबर 2023 के हमले का एक मास्टरमाइंड था। याह्या सिनवार को पिछले साल इजराइली सेना ने मार गिराया था।

हिंडनबर्ग मामला:

लोकपाल ने पूर्व सेबी प्रमुख बुच को दी 'क्लीन चिट'

नई दिल्ली/भाषा। भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की जांच करने वाली संस्था लोकपाल ने बुधवार को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर बाजार नियामक सेबी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ अनुचित व्यवहार और हितों के टकराव का आरोप लगाने वाली शिकायतों को खारिज कर दिया है। उसने कहा कि आरोप पूरी तरह से धारणा पर आधारित है और उसके समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। लोकपाल ने कहा कि पिछले साल दर्ज की गई तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा समेत अन्य सभी की शिकायतें मूल रूप से एक निवेश कंपनी की रिपोर्ट पर आधारित थीं। रिपोर्ट में पूरा ध्यान अदाणी समूह की कंपनियों को 'बेनकाब' करने या जांच के घेरे में लाने पर था। हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त, 2024 को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि बुच और उनके पति के पास अस्पष्ट विदेशी कोष में हिस्सेदारी थी, जिसका उपयोग अदाणी समूह से संबंधित कोष की कथित हेराफेरी में किया गया। उन्होंने आरोपों से इनकार करते हुए कहा था कि हिंडनबर्ग ने पूंजी बाजार नियामक की विश्वसनीयता पर हमला किया और चरित्र हनन का प्रयास किया।

शहबाज शरीफ ने भारत के साथ बातचीत करने की इच्छा दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

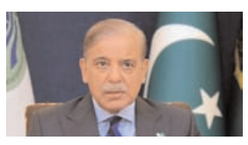

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को भारत के साथ बातचीत करने की अपनी इच्छा दोहराते हुए कहा कि दोनों पक्षों को साथ बैठकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद सहित सभी मुद्दों का समाधान करना चाहिए। शरीफ ने यह टिप्पणी अजरबैजान के लाचिन में पाकिस्तान-तुर्किए-अजरबैजान त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए की, जिसमें राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन एर्दोआन और इल्हाम अलीयेव भी शामिल हुए।

भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत पर जोर देने का शहबाज का यह इस सप्ताह दूसरा बयान था। शरीफ ने तेहरान में सोमवार को कहा था कि वह 'सभी विवादों को हल करने के लिए' भारत के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

सभी देशों के लिए समान, अविभाज्य सुरक्षा संरचना कायम होनी चाहिए : पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने समानता और अविभाज्यता के सिद्धांतों पर आधारित एक नई वैश्विक सुरक्षा संरचना कायम करने का बुधवार को आह्वान किया। सुरक्षा मुद्दों से जुड़े उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों के 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपने वीडियो संबोधन में रूसी नेता ने कहा कि उपस्थित लोग दुनियाभर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं को अधिक सक्रिय रूप से बेहतर बनाना चाहते हैं।

सम्मेलन में 100 से अधिक देशों ने भाग लिया। उन्होंने कहा, वे संप्रभु समानता के सिद्धांत और विकास के अपने स्वयं के मॉडल के अधिकार को भी कायम रखते हैं। पुतिन ने कहा कि जहां तक रूस का सवाल है, उसका दृष्टिकोण सैद्धांतिक एवं अपरिवर्तित बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार कहा है और मैं इसे दोहराऊंगा: हमें लगता है कि नई सुरक्षा संरचना समान और अविभाज्य होनी चाहिए, यानी सभी देशों को अपनी सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए, लेकिन दूसरे देशों की सुरक्षा एवं हितों की कीमत पर नहीं।''

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में

मंत्रिमंडल ने दो मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने यात्रियों और माल दोनों के तेज परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए दो मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी।

इन परियोजनाओं में रतलाम-नागदा के बीच तीसरी और चौथी लाइन तथा वर्धा-बल्हारशाह के बीच चौथी लाइन शामिल हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपए है और इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा।

बयान में कहा गया, ''ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुई हैं। ये यात्रियों, वस्तुओं और सेवाओं के लिए निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी।''

बयान में कहा गया, ''महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के चार जिलों को समाहित करने वाली ये दो परियोजनाएं भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 176 किलोमीटर तक विस्तारित करेंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 784 गांवों तक संपर्क सुविधा बढ़ाएंगी, जिनकी आबादी लगभग 19.74 लाख है।''

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं से देश में दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-चेन्नई आर्थिक गलियारों में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा और यातायात संबंधी बाधाएं दूर होंगी। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान देश में परिवहन और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

बयान में कहा गया कि ये कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 18.40 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी।

नौ हजार अश्व शक्ति वाला इंजन रेलवे का अब तक का सबसे शक्तिशाली एकल-इकाई विद्युत इंजन है : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के दाहोद में 9000 अश्व शक्ति (एचपी) वाले जिस इंजन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था वह भारतीय रेलवे के लिए विकसित अब तक का सबसे शक्तिशाली एकल-इकाई वाला विद्युत इंजन है। रेल मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''अब तक, मालवाहक इंजन आमतौर पर 4500 या 6000 एचपी क्षमता पर संचालित होते थे। यद्यपि 12,000 एचपी इंजन मौजूद हैं लेकिन वह दो छह-छह हजार एचपी वाली इकाइयों को जोड़कर बनाए गए हैं।'' इसने कहा, ''इसके विपरीत, दाहोद में निर्मित इंजन एक एकीकृत, उच्च शक्ति के साथ समाधान प्रदान करता है जो आसानी से काफी लंबी और भारी मालगाड़ियों को खींच सकता है।''

इसमें कहा गया है कि 9000 एचपी वाला इंजन भारतीय रेलवे की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक- माल ढुलाई वाले अति व्यस्त मार्ग, का समाधान प्रदान करता है। बयान में कहा गया, ''भारी वजन खींचने के लिए कम इंजनों की आवश्यकता होने से रेल यातायात को सुगम किया जा सकता है, जिससे व्यस्त गलियारों पर दबाव कम हो सकता है।'' इसमें कहा गया, ''इसके अलावा, कई छोटे इंजनों को एक उच्च क्षमता वाले इंजन से बदलने के कारण भारतीय रेलवे परिचालन लागत, श्रमबल की आवश्यकताओं और ऊर्जा खपत को कम कर सकता है। इससे अंततः उद्योगों के लिए रसद लागत भी कम हो जाएगी।''

भुखमरी, कुपोषण की समस्या से निजात दिलाने में जच्चा-बच्चा पर खास ध्यान जरूरी : अमिताभ कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने बुधवार को कहा कि देश में भुखमरी और कुपोषण की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए हमें जच्चा-बच्चा पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि इन समस्याओं से पार पाने में सरकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, लेकिन निजी क्षेत्र को भी स्थानीय स्तर पर आगे आने की जरूरत है।

यहां मालाबार समूह के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कांत ने कहा, ''आज भारत तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले तीन साल में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा...।'' उन्होंने कहा, ''हम चावल के प्रमुख उत्पादक हैं। चावल और गेहूं के मामले में आत्मनिर्भर है। हम फल, दूध समेत अन्य प्रमुख खाद्य पदार्थों के प्रमुख उत्पादक हैं। लेकिन इन सबके बावजूद भारत में लोग कुपोषण और भुखमरी की समस्या से जूझ रहे हैं। इसका कारण कमजोर माताएं हैं। कमजोर मां कुपोषित बच्चों को जन्म देते हैं। यह पीढियों से चली आ रही समस्या है।'' नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा, ''हमें गर्भावस्था से लेकर बच्चे के जन्म तक गांवों से लेकर शहरों तक प्रत्येक महिलाओं पर ध्यान देना होगा और उनकी देखरेख करनी होगी। यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि बच्चों का जन्म अस्पताल में हो।'' उन्होंने कहा, ''हम आंगवाड़ी में तीन साल के बाद बच्चों की देखभाल करते हैं। देखभाल की यह व्यवस्था ठीक नहीं है। इसमें काफी देर हो जाती है। हमें बच्चों के जन्म से 18 महीने तक उन पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह वह समय है जब बच्चे का दिमाग विकसित होता है।''

कांत ने कहा, ''अगर हमें भुखमरी की समस्या से छुटकारा पाना है कि हमें सबसे पहले माताओं की देखभाल करनी होगी।'' उन्होंने कहा, ''भारत में 19 करोड़ लोग कुपोषित हैं। सरकार इस चुनौती को स्वीकार करती है और इससे निजात पाने के लिए कई कदम उठा रही है। इसमें मध्याह्न भोजन, राशन की दुकानों से मुफ्त अनाज, पोषण युक्त खाद्य पदार्थों की आपूर्ति शामिल हैं।'' कांत ने कहा, '' हम कई क्षेत्रों में वंचित तबकों तक पहुंच रहे हैं लेकिन सरकार अकेले यह नहीं कर सकती है। सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे रही है लेकिन पोषण युक्त अनाज की जरूरत है। निजी क्षेत्र को स्थानीय स्तर पर आगे आने की जरूरत है और बच्चों का ध्यान रखने की जरूरत है।''

इस मौके पर, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की मूल कंपनी मालाबार समूह ने कहा कि वह अपने सीएसआर उपायों को आगे बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 150 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह राशि स्वास्थ्य, भूख एवं गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण संरक्षण और वंचित तबकों को मकान उपलब्ध कराने में खर्च की जाएगी।

मालाबार समूह के चेयरमैन एम पी अहमद ने यहां कार्यक्रम में कहा, ''कंपनी अपने सीएसआर उपायों को आगे बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष में 150 करोड़ रुपए खर्च करेगी। कंपनी अपने कुल लाभ का पांच प्रतिशत सामाजिक कार्यों पर खर्च कर रही है।''

मालाबार समूह ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल 'हंगर फ्री वर्ल्ड' के तहत 2025-26 में भारत और जाम्बिया में वंचित तबकों को प्रतिदिन 70 हजार एवं पूरे साल के दौरान 2.50 करोड़ लोगों को भोजन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है।''

मेट्रो यात्रा के लिए है, रील बनाने के लिए नहीं: डीएमआरसी ने यात्रियों से कहा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने यात्रियों को मेट्रो में यात्रा के दौरान रील नहीं बनाने को कहा है।

डीएमआरसी ने बुधवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' मेट्रो यात्रा के लिए है 'ट्रेंड' के लिए नहीं। इसलिए अगली बार हम रील न बनाएं और न ही उन्हें प्रोत्साहित करें क्योंकि एक सहज और सुरक्षित यात्रा कुछ सेकंड की प्रसिद्धि से अधिक मायने रखती है।'' डीएमआरसी ने इस पोस्ट के साथ एक पोस्टर भी साझा किया जिस पर लिखा था 'नो रील्स ऑन द व्हील्स'। एक पोस्टर में मेट्रो स्टेशन पर गिटार बजाते हुए एक व्यक्ति का चित्र है जिसके साथ 'कैप्शन' लिखा है, 'आपका प्रदर्शन मेट्रो से भी बड़े मंच का हकदार है।'

एक अन्य पोस्टर में एक लड़की नृत्य करते दिखाई दे रही है, जिसके साथ संदेश लिखा है, ''ऐसे नाचो जैसे कोई देख नहीं रहा लेकिन बस मेट्रो में नहीं।''डीएमआरसी ने कई मेट्रो स्टेशन पर पोस्टर भी लगाए हैं जिनमें यात्रियों को रील बनाने और दूसरों को असुविधा पहुंचाने से मना किया गया है।

मेरे पोते का नाम 'इराज' रखा गया : लालू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी राजश्री के दूसरी बार माता-पिता बनने के एक दिन बाद राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने अपने पोते के नाम की घोषणा की। उन्होंने अपने पोते का नाम 'इराज लालू यादव' रखा है।

तेजस्वी यादव की पत्नी ने मंगलवार को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में पुत्र को जन्म दिया। लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, तो हमारी पोती कात्यायनी के छोटे भाई का नाम मैंने और राबड़ी देवी ने 'इराज' रखा है। तेजस्वी और राजश्री ने उसका पूरा नाम 'इराज लालू यादव' रखा है। उन्होंने आगे लिखा, कात्यायनी का जन्म नवरात्रि की शुभ अष्टमी तिथि पर हुआ था और इस नन्हे बालक का जन्म बजरंग बली हनुमान जी को समर्पित विशेष दिन (मंगलवार को) हुआ है, इसलिए उसका नाम 'इराज' रखा गया है। आप सभी की शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद! मां और नवजात शिशु दोनों स्वस्थ हैं।'' परिवार के एक सदस्य के अनुसार, राजश्री पिछले कुछ दिनों से कोलकाता के जिस निजी अस्पताल में भर्ती थीं, वहीं शिशु का जन्म हुआ। इस बीच, प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अस्पताल जा राजद प्रमुख से मुलाकात की।

इंडिगो ने विक्रम सिंह मेहता को चेयरमैन नियुक्त किया

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को वेंकटरमणी सुमंत्रन की जगह विक्रम सिंह मेहता को नया चेयरमैन नियुक्त करने की घोषणा की। मेहता मई, 2022 से इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के निदेशक मंडल के सदस्य हैं। इंडिगो का संचालन इंटरग्लोब एविएशन ही करती है। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि मेहता चेयरमैन के पद पर सुमंत्रन की जगह लेंगे, जिन्होंने निदेशक के तौर पर अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद पद छोड़ दिया था। बयान के मुताबिक, सुमंत्रन को मई, 2022 में चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उन्होंने कोविड महामारी के बाद पिछले तीन वर्षों में इंडिगो की स्थिति में आई मजबूती और अविश्वसनीय वृद्धि के दौरान बोर्ड का मार्गदर्शन किया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी मेहता ने भारत में शेल ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन और मिस्र में शेल मार्केट्स और शेल केमिकल्स के सीईओ के अलावा कई अन्य भूमिकाएं भी निभाई हैं।

संसदीय समितियों की बैठकों में केवल 60 फीसदी सांसदों ने ही लिया हिस्सा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद की कार्यवाही और संसदीय समितियों में सांसदों को भागीदारी के लिए बार -बार प्रोत्साहित किए जाने के बावजूद समितियों की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी पिछले करीब एक साल में औसतन साठ फीसदी ही रही है।

लोकसभा की वेबसाइट से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, निचले सदन की 16 स्थायी समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति औसतन करीब 60 प्रतिशत रही। इस प्रकार 40 फीसदी सांसद अनुपस्थित रहे। संसद की स्थायी समिति में लोकसभा और राज्यसभा से 31 सदस्य होते हैं, जिनमें से 21 निचले सदन से और 10 उच्च सदन से होते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में संसद की सभी समितियों का पुनर्गठन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई अवसरों पर संसदीय समिति एवं संसद की कार्यवाही में सदस्यों की सहभागिता के महत्व को रेखांकित कर चुके हैं।

इस वर्ष 20 मई को डा. शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मंत्रालय से संबद्ध स्थायी समिति की बैठक में केवल 13 सदस्य उपस्थित थे जबकि 11 मई की बैठक में जब समिति ने 2025-26 के लिए अनुदान की मांगों की रिपोर्ट का अनुमोदन किया तो केवल 18 सदस्य उपस्थित थे।

अब दिल्ली में ऐसी सरकार जो लोगों के लिए काम करती है : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सत्ता में 100 दिन पूरे होने पर अपनी सरकार को 'जनता के लिए काम करने वाली सरकार' करार देते हुए बुधवार को कहा कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय राजधानी में विकास कार्यों पर जोर दिया जा रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के 'श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स' द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में गुप्ता ने अपने संबोधन में नई सरकार का समर्थन करने और उसपर विश्वास जताने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, '' अब दिल्ली में ऐसी सरकार है जो लोगों के लिए काम करती है। मैं शहर के लोगों को हमें चुनने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।'' उन्होंने कहा, ''आपके विश्वास और हमारे प्रयासों से, हम पिछले 100 दिनों में कई चीजों को सही कर पाये हैं। जो परियोजनाएं और योजनाएं रुकी हुई थीं, उन्हें आखिरकार अमलीजामा पहनाया जा रहा है।''

मुख्यमंत्री ने इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग को दिया। उन्होंने कहा, ''दिल्ली को डबल इंजन वाली सरकार का पूरा लाभ मिल रहा है। केंद्र सरकार की जो योजनाएं पहले विलंबित या नजरअंदाज की जाती थीं, वे अब लोगों तक पहुंच रही हैं।''

गुप्ता ने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार 31 मई को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अपने कार्यकाल के पहले 100 दिनों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड जारी करेगी, जिसमें प्रमुख पहलों और प्रगति पर प्रकाश डाला जाएगा।

आज अभिनंदन समारोह में उनके साथ दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी थे। सिरसा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

पिछली आप सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए सिरसा ने कहा, ''हमने 100 दिनों में वह कर दिखाया जो वह 10 साल में नहीं कर पाए। 1984 के दंगों के पीड़ितों ने न्याय और समर्थन के लिए दशकों तक इंतजार किया, उन्हें अब हमारे प्रशासन के 100 दिनों के भीतर नौकरी के अवसर मिले हैं।''

आंध्र प्रदेश में मालगाड़ी पटरी से उतरी

भुवनेश्वर/भाषा। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में बुधवार को एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि पूर्व तटीय रेलवे के वाल्टेयर मंडल में कोठावलासा-किरंदुल लाइन पर चिमिडिपल्ली स्टेशन के पास लौह अयस्क ले जा रही एक मालगाड़ी के 25 डिब्बे पटरी से उतर गए। पूर्व तटीय रेलवे का मुख्यालय भुवनेश्वर में है।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब 1.05 बजे हुई, जिससे रेल सेवाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत कार्य के लिए एक राहत ट्रेन को मौके पर भेजा गया है और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी वहां काम की निगरानी के लिए मौजूद हैं।

एन चंद्रबाबू नायडू दो सालों के लिए चुने गये तेदेपा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंद्रबाबू नायडू को अगले दो वर्षों के लिए तेदेपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है।'' रमैया ने बताया कि इस चुनाव के लिए एक चुनाव कार्यालय स्थापित किया गया था और पार्टी के लगभग 600 नेता नायडू को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चुनने के लिए आगे आए थे।

कडपा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू अगले दो सालों के लिए पार्टी के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। तेदेपा के वरिष्ठ नेता वरला रमैया ने यहां पार्टी के तीन-दिवसीय वार्षिक सम्मेलन 'महानाडू' के दूसरे दिन चुनाव के परिणाम की घोषणा की और बाद में जय-जयकार के बीच नायडू को (अध्यक्ष) पद की शपथ दिलाई।

रमैया ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''नारा

मणिपुर में भूकंप के कई झटके महसूस किये गए

इंफाल/भाषा। मणिपुर में बुधवार को भूकंप के कई झटके महसूस किये गए, जिनमें सबसे शक्तिशाली भूकंप 5.2 तीव्रता का था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी।

इसमें कहा गया कि चुराचांदपुर जिले में देर रात एक बजकर 54 मिनट पर 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें बताया गया कि 2.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप नोनी जिले में बुधवार तड़के दो बजकर 26 मिनट पर जबकि 3.9 तीव्रता का तीसरा भूकंप चुराचांदपुर में सुबह 10 बजकर 23 मिनट पर आया। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने या नुकसान की खबर नहीं है।

भाजपा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, विमल नेगी मामले में जांच का दायरा बढ़ाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल ने बुधवार को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को एक ज्ञापन सौंपकर विमल नेगी की मौत के मामले में सबूतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और राज्य विद्युत निगम में कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच का दायरा बढ़ाने की मांग की।

उच्च न्यायालय के निर्देश पर सीबीआई ने हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीपीसीएल) के मुख्य अभियंता विमल नेगी की मौत की जांच अपने हाथ में ले ली है। नेगी 10 मार्च को लापता हो गए थे। नेगी का शव 18 मार्च को बिलापुर में रहस्यमयी परिस्थितियों में मिला था और उनकी पत्नी ने आरोप लगाया था कि उनके वरिष्ठों ने उन्हें परेशान किया था। इस मामले से राज्य में सियासी पारा चढ़ गया था, विपक्षी भाजपा ने मामले को दबाने का आरोप लगाया था। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात की और आरोप लगाया कि रहस्यमय परिस्थितियों में नेगी की मौत ''प्रशासन की विफलता, अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार के अलावा राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति'' को उजागर करती है।

भाजपा ने दो पृष्ठों के ज्ञापन में यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की मांग की कि मामले में साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ न की जाए तथा जांच में कथित रूप से हस्तक्षेप करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच और एसपी शिमला को बर्खास्त करने की भी मांग की गई।

भाजपा ने मांग की है कि विद्युत निगम में कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए सीबीआई की जांच का दायरा बढ़ाया जाए। जय राम ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।'' भाजपा के हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि राज्य में प्रशासन ''पूरी तरह ध्वस्त'' हो गया है और सरकार ने सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने से संबंधित बातचीत जारी है: उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुलमर्ग (जम्मू कश्मीर)/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर बातचीत रुकी नहीं है। उमर ने साथ ही कहा कि उन्होंने हाल ही में नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में यह मुद्दा उठाया था।

श्रीनगर से 52 किलोमीटर दूर उत्तर कश्मीर के इस पर्यटन केंद्र गुलमर्ग में संवाददाताओं द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या पहलगाम आतंकवादी हमले से जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने से जुड़ी बातचीत प्रभावित हुई है? उमर अब्दुल्ला ने कहा, ''नहीं, बिलकुल नहीं। अगर आप नीति आयोग की बैठक में दिया गया औपचारिक भाषण देखेंगे, जो माननीय प्रधानमंत्री और नीति आयोग के शासी परिषद के सदस्यों को दिया गया था तो आपको उसमें राज्य का दर्जा वापस करने का स्पष्ट उल्लेख मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, राज्य के दर्जे को लेकर बातचीत रुकी नहीं है। एकमात्र चीज जो मैं करने के लिए तैयार नहीं था, वह थी (जम्मू कश्मीर) विधानसभा के विशेष सत्र का इस्तेमाल राज्य के दर्जे के बारे में बात करने के लिए करना। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि बातचीत रुक गई है। बातचीत जारी है।'' पर्यटन को फिर से पटरी पर लाने के मुद्दे पर यहां एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि देश के अन्य भागों से लोगों के आने की अपेक्षा करने से पहले कश्मीरियों को घाटी में पर्यटन स्थलों का दौरा करना चाहिए।

निसान ने भारत छोड़कर जाने की अटकलों को नकारा, भविष्य पर नजरें टिकाईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाहन विनिर्माता निसान ने भारतीय बाजार से बाहर निकलने से जुड़ी तमाम अटकलें खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि वह यहां अपना कारोबार बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही।

जापानी कंपनी निसान की भारतीय अनुषंगी निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय बाजार से बाहर जाने की कोई भी योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि असलियत में कंपनी 2027 की शुरुआत तक भारतीय बाजार में तीन नए उत्पाद पेश करने की योजना बना रही है और इस साल 20 नए डीलरशिप जोड़ने का भी इरादा है।

कंपनी अपने पोर्टफोलियो में कई तरह के उत्पादों को रखना चाहती है और चालू वित्त वर्ष में उसने घरेलू और निर्यात बाजारों में एक-एक लाख इकाइयों की बिक्री का लक्ष्य रखा है। वत्स ने कहा, ''बेहद अहम है कि मैं उन सभी अटकलों पर विराम लगा दूं कि निसान भारत से बाहर निकलने की योजना बना रही है और रेनो निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (आरएनएआईपीएल) की हिस्सेदारी कम करना इसका संकेत है।''

इस साल 31 मार्च को रेनो ने अपने भारतीय विनिर्माण संयुक्त उद्यम आरएनएआईपीएल में भागीदार निसान की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। हालांकि, इस अधिग्रहण सौदे में शामिल राशि का खुलासा नहीं किया गया था। वत्स ने भारत में लगभग 60 वर्षों के लंबे कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा, ''यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि हम भारत में पूरी तरह जमे हुए हैं.. हमारी उत्पादन योजनाएं, हमारी भविष्य की क्षमता, सब कुछ तैयार है। वे सभी सुरक्षित हैं, कुछ भी तालमेल से बाहर नहीं है। हम यहां हैं और हम यहां रहने वाले हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही में सात सीट वाला एक बहुद्देशीय वाहन (एमपीवी) पेश करेगी। इसके बाद 2027 की शुरुआत में एक एसयूवी भी लेकर आएगी जो पांच सीट एवं सात सीट वाले विकल्पों में उपलब्ध होगी। हालांकि, निसान इंडिया के शीर्ष अधिकारी ने यह माना कि कुछ डीलर अलग हो गए हैं लेकिन कंपनी नए बिक्री भागीदारों को ला रही है। उन्होंने कहा, ''फिलहाल हमारे पास करीब 160 बिक्री केंद्र हैं और हम साल के अंत तक इसकी संख्या 180 तक पहुंचाना चाहते हैं।''

इस मौके पर निसान ने अपनी एसयूवी 'मैग्नाइट' को अब सरकार द्वारा स्वीकृत सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

राज्यसभा चुनाव : द्रमुक की सहयोगी एमएनएम ने कमल हासन को बनाया उम्मीदवार, निर्वाचित होना तय

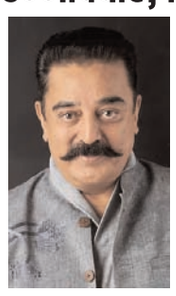

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की सहयोगी दल मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) ने बुधवार को अपने अध्यक्ष कमल हासन को 19 जून को होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया।

हासन (70) का पहली बार राज्यसभा सदस्य बनना लगभग तय है क्योंकि द्रमुक और उसके साथी विधानसभा में संख्याबल के आधार पर आसानी से उन्हें और तीन अन्य उम्मीदवारों को चुनाव जितवा सकते हैं। एमएनएम को एक सीट आवंटित करने की द्रमुक की घोषणा के कुछ ही देर बाद हासन को उम्मीदवार घोषित कर दिया। एमएनएम की शासी परिषद और प्रशासनिक समिति ने पार्टी महासचिव ए. अरुणाचलम की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित करके हासन को उच्च सदन के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया और सहयोगी दलों से औपचारिक रूप से समर्थन का अनुरोध किया।

चेन्नई के पास थीम पार्क में तकनीकी खराबी के कारण 36 लोग हवा में फंसे, सभी को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के पास एक मनोरंजन पार्क में खुशनुमा शाम 36 लोगों के समूह के लिए भयावह अनुभव में तब्दील हो गई, जब कथित तौर पर तकनीकी खराबी के कारण उनकी 'फन राइड' हवा में फंस गई।

इस समूह में बच्चे भी शामिल थे। अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंगलवार रात डेढ़ घंटे के बचाव अभियान के बाद सभी 36 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

जिला अग्निशमन अधिकारी लोगनाथन ने कहा, हमने दो 'स्काई लिफ्ट' का उपयोग करके 20 पुरुषों और 16 महिलाओं सहित सभी 36 लोगों को बचा लिया। वे सभी सुरक्षित हैं।''

फंसे हुए लोगों को नीचे लाने में अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के लगभग 35 कर्मियों के साथ-साथ स्थानीय पुलिस भी शामिल थी। एक बड़े गोल घेरे में चक्कर लगाने वाली फन राइड' अचानक फंस गई जिससे उसमें सवार लोग दहशत में आ गए। यात्रियों के लिए अच्छी बात यह रही कि घटना के वक्त 'फन राइड' जमीन से ऊपर थी, जिससे उसमें सवार लोगों के नीचे गिरने का खतरा नहीं था।

इस घटना में बचाई गई एक महिला ने बताया कि लोग काफी घबरा गए थे क्योंकि लगभग दो घंटे तक उन्हें सांत्वना देने या बचाने वाला कोई नहीं था।

एक व्यक्ति ने पुलिस की मदद लेने के लिए अपने मोबाइल फोन और इंस्टाग्राम अकाउंट का इस्तेमाल किया।

लोगनाथन ने संवाददाताओं को बताया, ''हमें शाम सात बजकर 20 मिनट पर एक फोन आया कि 36 लोग 'टॉप गन' नामक एक 'फन राइड' में फंस गए हैं। सीढ़ी से उन्हें बचाने के हमारे शुरुआती प्रयास विफल होने के बाद हमने उन्हें एक-एक करके सुरक्षित रूप से नीचे लाने के लिए दो 'स्काई लिफ्ट' लगाईं।'' उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि बचाए गए लोगों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए एक एम्बुलेंस को थीम पार्क में लाया गया था। उन्होंने कहा, ''आशंका है कि तकनीकी खराबी के कारण 'फन राइड' हवा में फंस गई।''

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
5वीं मंजिल, पं. दीनदयाल अंत्योदय भदन, सीजीओ काम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

वर्ष 2025 के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए आन लाइन माध्यन से आवेदन आमंत्रित करना

वर्ष 2025 के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए आवेदन/नामांकन जमा करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल 15 मई 2025 से 15 जुलाई, 2025 तक खुला है। इसका विवरण निम्नानुसार है :-

I. आवेदन/नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल www.awards.gov.in पर किए जायेंगे।

ii. वर्ष 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए 15 जुलाई 2025 तक प्राप्त आवेदनों /नामांकनों पर ही विचार किया जाएगा।

iii. वर्ष 2025 के लिए आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर आनलाइन जमा किया जाना है। नामांकन में उपरोक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगित विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें, उल्लेखनीय और प्रेरण उपलब्धियों को स्पष्ट रूप में शामिल किया जाना चाहिए तथा उपलब्धियों से संबंधित सहायक दस्तावेज भी अपलोड करना चाहिए।

iv. भौतिक रुप से या किसी अन्य रुप से प्राप्त आवेदन स्वीकर नहीं किया जाएगा।

v. पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए विभाग की वेबसाइट (www.depwd.gov.in) तथा राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर उपल्ध दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए दिशा निर्देश देखे जा सकते हैं।

CBC 38117/11/0001/2526

तमिलनाडु के विश्वविद्यालय में छात्रा के यौन उत्पीड़न का मामला

महिला अदालत दो जून को फैसला सुनाएगी

चेन्नई। तमिलनाडु की एक महिला अदालत ने अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के यौन उत्पीड़न के सनसनीखेज मामले में बुधवार को आरोपी बिरयानी विक्रेता ए. ज्ञानशेखरन को दोषी करार दिया। अभियोजन पक्ष ने अदालत से दोषी के लिए ''अधिकतम सजा'' का अनुरोध किया है। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने मामले को साबित कर दिया और संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। साथ ही, अदालत ने यौन उत्पीड़न के इस मामले में ज्ञानशेखरन को उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों में दोषी पाया। दिसंबर 2024 की इस घटना ने राज्य को झकझोर कर रख दिया था।

महिला अदालत की न्यायाधीश राजलक्ष्मी ने कहा कि वह दो जून को मामले में फैसला सुनाएंगी। सरकारी वकील ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि अभियोजन पक्ष ने ज्ञानशेखरन के खिलाफ 11 आरोप दाखिल किए और दस्तावेजी एवं फोरेंसिक साक्ष्यों का उपयोग करके सभी आरोपों को साबित कर दिया। उन्होंने कहा, ''आज, अदालत ने ज्ञानशेखरन को दोषी करार दिया। सजा के बारे में विवरण दो जून को दिया जाएगा।'' बुधवार को अदालत की कार्यवाही के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए उन्होंने संकेत दिया कि ज्ञानशेखरन ने यह दावा किया था कि वह परिवार में कमाने वाला एकमात्र व्यक्ति है और इसके आधार पर उसने अदालत से सजा में नरमी बरतने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''अभियोजन पक्ष ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और अधिकतम सजा का अनुरोध किया।''

इस सनसनीखेज मामले के बाद तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ आरोपी व्यक्ति के कथित संबंधों को लेकर राजनीतिक विवाद उठ गया था। हालांकि पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने जनवरी में कहा था कि ज्ञानशेखरन द्रमुक का सदस्य नहीं था, वह केवल पार्टी के प्रति झुकाव रखता था और इसका समर्थक था। मामला तब प्रकाश में आया जब पीड़िता ने पिछले साल 23 दिसंबर को कोट्टूरपुरम के अखिल महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जब वह अपने पुरुष मित्र के साथ थी, तब ज्ञानशेखरन ने उसे धमकाया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया। बाद में ज्ञानशेखरन को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की प्राथमिकी तमिलनाडु पुलिस की अपराध एवं अपराधी निगरानी नेटवर्क एवं प्रणाली (सीसीटीएनएस) वेबसाइट से डाउनलोड की गई और मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा प्रसारित की गई, जिससे हंगामा मच गया। बाद में मद्रास उच्च न्यायालय ने मामले की जांच एक विशेष जांच दल को सौंप दी, जिसने प्राथमिकी लीक होने की भी जांच की। एसआईटी ने फरवरी में मजिस्ट्रेट अदालत में आरोप पत्र दायर किया। इसके बाद मामला महिला अदालत को सौंप दिया गया। महिला अदालत ने ज्ञानशेखरन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए, जिनमें यौन उत्पीड़न, बीएनएसएस, आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) अधिनियम और तमिलनाडु महिला उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम शामिल हैं।

छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले में अदालत के फैसले पर बोले स्टालिन, 'सिर्फ 5 माह में न्याय मिला'

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि पुलिस विभाग ने अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले में पीड़िता को सिर्फ पांच महीने में न्याय दिलाया है। एक बार फिर न्याय और महिलाओं की सुरक्षा का आश्वासन देते हुए स्टालिन ने कहा कि सुनवाई तेजी से हुई और हमारे पुलिस विभाग ने सिर्फ पांच महीने में न्याय दिलाया है।'' एक पोस्ट में उन्होंने मामले की जांच करने वाले पुलिस अधिकारियों, अभियोजकों और अदालत को धन्यवाद दिया। स्टालिन ने कहा, ''मैं पुलिस विभाग से लगातार कहता रहता हूं कि अपराध पर अंकुश लगना चाहिए और अगर ऐसी घटनाएं होती हैं तो कोई भी अपराधी बचना नहीं चाहिए, जांच और सुनवाई तेजी से होनी चाहिए और अपराधी को सजा मिलनी चाहिए।''

अन्नाद्रमुक ने फैसले का स्वागत किया

चेन्नई। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक ने अन्ना विश्वविद्यालय छात्रा यौन उत्पीड़न मामले में एकमात्र आरोपी ए ज्ञानशेखरन को दोषी ठहराए जाने के अदालत के फैसले का बुधवार को स्वागत किया और कहा कि वह पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करती रही है। फैसले की सराहना करते हुए नेता विपक्ष एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने कहा कि जनता की अदालत में उठाए गए कई सवालों के जवाब अब तक नहीं मिले हैं। यहां की एक महिला अदालत ने छात्रा यौन उत्पीड़न मामले में ज्ञानशेखरन को दोषी ठहराया। उन्होंने जानना चाहा कि इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए गणेश शेखरन को तत्काल रिहा क्यों कर दिया गया और उसकी रिहाई तथा दोबारा हुई गिरफ्तारी के बीच क्या हुआ? पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि अब दोषी घोषित किए जा चुके आरोपी की द्रमुक की दो हस्तियों से काफी निकटता थी, जिनमें से एक मंत्री हैं और दूसरे चेन्नई नगर निगम में महत्वपूर्ण पद पर हैं। उन्होंने पूछा, ''पुलिस ने इन दोनों से पूछताछ क्यों नहीं की?'' द्रमुक ऐसे सभी आरोपों को पहले ही खारिज कर चुकी है। अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता ने 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद अपनी पार्टी के एक बार फिर सत्ता में आने का विश्वास जताया और कहा कि उस समय अपराध से जुड़े सभी लोगों की पहचान कर उन्हें न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों का निवारण

रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना (आरबी-आईओएस)

- रिज़र्व बैंक ने अपनी सभी विनियमित संस्थाओं को उनके ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों का समाधान करने हेतु अपने स्तर पर एक व्यवस्था बनाए रखने का आदेश दिया है, जिसे विनियमित संस्थाओं का आंतरिक शिकायत निवारण तंत्र माना जाता है।
- रिज़र्व बैंक ने, रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना, 2021 (आरबी-आईओएस) के माध्यम से अपनी विनियमित संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई सेवाओं में कमियों से संबंधित ग्राहक शिकायतों के समाधान के लिए एक त्वरित और नि:शुल्क वैकल्पिक शिकायत निवारण तंत्र भी स्थापित किया है।
- बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), भुगतान प्रणाली प्रतिभागियों (पीएसपी) और साख सूचना कंपनियों (सीआईसी) को शिकायत निवारण तंत्र के तहत विनियमित संस्थाओं के रूप में माना जाता है।
- किसी भी विनियमित संस्था के विरुद्ध सभी शिकायतों के लिए आरबी-आईओएस ''एक राष्ट्र एक ओम्बड्समैन'' दृष्टिकोण अपनाता है। अत: शिकायतकर्ता के लिए अब यह जानना आवश्यक नहीं है कि उसे किस ओम्बड्समैन योजना/कार्यालय के तहत ओम्बड्समैन के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए।
- आरबी-आईओएस के अंतर्गत नहीं आने वाली विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों का समाधान भारतीय रिज़र्व बैंक के उपभोक्ता शिक्षण और संरक्षण कक्षों (सीईपीसी) द्वारा किया जाता है।
- आरबी-आईओएस और सीईपीसी के दायरे में आने वाली संस्थाओं की सूची https://cms.rbi.org.in पर देखी जा सकती है।

अगर आपको शिकायत हो तो क्या करें?

आप विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध उसकी शाखा में या शिकायत निवारण पोर्टल पर ऑनलाइन या उसकी वेबसाइट पर बताए गए किसी अन्य तरीके से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत की पावती प्राप्त करें या संदर्भ संख्या सुरक्षित रखें।

आरबीआई ओम्बड्समैन से संपर्क कब करें?

आप निम्नलिखित मामलों में आरबीआई ओम्बड्समैन से संपर्क कर सकते हैं :

- **विनियमित संस्थाओं से 30 दिन के भीतर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होने पर -** विनियमित संस्थाओं को की गई आपकी शिकायत की तारीख से एक वर्ष और 30 दिन के भीतर कभी भी।
- **विनियमित संस्थाओं से प्राप्त उत्तर असंतोषजनक है -** संबंधित विनियमित संस्थाओं से उत्तर प्राप्त होने के एक वर्ष के भीतर कभी भी।

ध्यान दें:

- आरबी-आईओएस में निर्दिष्ट शिकायत फार्म के अनुसार सभी अपेक्षित विवरण/जानकारी शिकायत में शामिल होनी चाहिए।
- शिकायत किसी अन्य मंच (जैसे न्यायालय) में निपटाई गई/लंबित नहीं होनी चाहिए या आरबीआई ओम्बड्समैन द्वारा पहले निपटाई नहीं गई हो।
- **विनियमित संस्था से संपर्क किए बिना आरबीआई ओम्बड्समैन के पास सीधे शिकायत दर्ज कराने पर उसे अस्वीकार किया जा सकता है।**

आरबीआई के पास शिकायत कैसे दर्ज करें?

विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध कोई भी शिकायत निम्न किसी भी माध्यम द्वारा दर्ज की जा सकती है:

- आरबीआई के शिकायत प्रबंध प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल https://cms.rbi.org.in के माध्यम से ऑनलाइन।
- आरबी-आईओएस के अनुबंध में निर्दिष्ट फॉर्म में भौतिक शिकायत (पत्र/डाक) ''केंद्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केंद्र, चौथी मंजिल, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेक्टर -17, सेंट्रल विस्टा, चंडीगढ़ - 160017'' को प्रेषित की जा सकती है।

आरबीआई के पास शिकायत दर्ज करने के बारे में अधिक जानकारी कैसे प्राप्त करें?

अधिक जानकारी के लिए आप आरबीआई संपर्क केंद्र के टोल-फ्री नंबर 14448 पर संपर्क कर सकते हैं।

इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) युक्त संपर्क केंद्र 24X7 उपलब्ध है, जबकि संपर्क केंद्र कर्मियों से अंग्रेजी, हिंदी और दस क्षेत्रीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तेलुगु और तमिल) में बात करने की सुविधा राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर सोमवार से शनिवार सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे के बीच उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए

कृपया देखें: भारतीय रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना, 2021 पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न -
https://www.rbi.org.in/hindi/Scripts/Faqs.aspx?did=56
या
सीएमएस पोर्टल- https://cms.rbi.org.in

राजस्थान में बजरी माफिया का हुड़दंग! डंपर से कुचलकर कांस्टेबल की हत्या, आरोपी फरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर के लूणी क्षेत्र में डंपर से कुचले गए पुलिस कांस्टेबल सुनील खिलेरी ने 27 मई की रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कांस्टेबल सुनील पर यह जानलेवा हमला तब हुआ जब वे अवैध बजरी खनन रोकने के लिए तैनात थे। घटना के दो दिन बाद पुलिसकर्मी की मौत से पूरे पुलिस महकमे और क्षेत्र में आक्रोश की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार, लूणी थाना पुलिस की टीम 25 मई की सुबह खेजड़ली कला क्षेत्र में अवैध बजरी खनन की सूचना मिलने पर कार्रवाई के लिए पहुंची थी। यहां सरपंच पति हापुराम और उसके साथी जेसीबी से बजरी डंपर में भरवा रहे थे। पुलिस को देखकर ड्राइवर राणाराम बाबल डंपर लेकर भाग निकला। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। इस बीच सफेद कार में सवार रवि गोदारा ने पुलिस को धमकाते हुए पीछा न करने को कहा और तेज रफ्तार से निकल गया। गुलजी की प्याऊ के पास कच्ची सड़क पर डंपर रुकते ही पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की। लेकिन आरोप है कि ड्राइवर राणाराम ने डंपर तेजी से मोड़ दिया और कांस्टेबल सुनील खिलेरी को कुचल दिया। डंपर का पहिया उनके पेट और पैर के ऊपर से निकल गया। गंभीर रूप से घायल सुनील को तुरंत एमडीएम अस्पताल ले जाया गया, लेकिन 27 मई को उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए सरपंच पति हापुराम, रविन्द्र बिश्नोई, सागर सैन और महेन्द्र बिश्नोई को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है। वहीं, जेसीबी मालिक शिवजी, डंपर ड्राइवर राणाराम बाबल और एक अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। मौके से पुलिस ने एक जेसीबी मशीन और 1240 टन अवैध बजरी का स्टॉक जब्त किया है। कांस्टेबल सुनील खिलेरी जोधपुर जिले के लोहावट गांव के रहने वाले थे। 2013 में वे पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। उनके परिवार में माता-पिता, दो भाई और एक बेटा-बेटी हैं। उनका एक भाई भी पुलिस विभाग में कार्यरत है। सुनील की आंखें उनके परिजनों ने दान कर दी हैं, जिससे दो लोगों को नई रोशनी मिल सकेगी। इस घटना के बाद प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया द पर प्रतिक्रिया देते हुए घटना को बेहद दुखद बताया और कहा कि यह हत्या राज्य में विफल हो रही कानून व्यवस्था का उदाहरण है।

संस्कारों की पुनर्स्थापना बनाएगी भारत को जगद्गुरु : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने संस्कारों को पुनर्जागृत करने की आवश्यकता बताते हुए कहा है कि संस्कारों की पुनर्स्थापना भारत को जगदगुरु बनायेगी। देवनानी ने बुधवार को सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में नटवरलाल जोशी की स्मृति में आदर्श विद्यामंदिर में आयोजित त्रिदिवसीय सामूहिक उपनयन यज्ञोपवीत संस्कार तथा प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में यह बात कही।

यह कार्यक्रम वैदिक परंपराओं के संरक्षण और युवा पीढ़ी में संस्कारों के संचार के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा हमारे देश की संस्कृति ही वह तत्व है जिसने हमारी सभ्यता को जीवन्त रखा है। मिस्र यूनान और रोम की सभ्यतायें मिट गई है।

देश में मध्यकालीन तुर्क एवं मुगल आक्रमण एवं अंग्रेजो ने आधुनिक काल में हमारे संस्कारों एवं संस्कृति को मिटाकर सनातन सभ्यता को मिटाने का कुत्सित प्रयास किया, इसीलिए आज हमे अपने संस्कारों को पुनर्जागृत करने की आवश्यकता है।

उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणाली में गुरु शिष्य परम्परा एवं यज्ञोपवीत विषय पर व्याख्यान दिया तथा उपनयन एवं यज्ञोपवीत को सरल भाषा में समझाया। देवनानी ने इस बात पर जोर दिया कि परिवार हमारे समाज की प्रमुख इकाई है तथा परिवारों को संस्कारों की वैज्ञानिकता समझते हुए नई पीढ़ी में इनका बीजारोपण करना होगा। उन्होंने कहा कि शिष्य परम्परा का क्षरण हुआ है, किन्तु योग्य शिक्षकों, शिष्यों एवं श्रेष्ठ संस्थाएँ अभी समाप्त नहीं हुई है।

देवनानी ने आचार्य नटवरलाल जोशी के सम्पूर्ण जीवन को संस्कृत-संस्कृति एवं समाज के लिए समर्पित बताते हुए लोगों से आग्रह किया कि राष्ट्रवाद और संस्कार एक दूसरे के पूरक है। समाज और परिवारजनों को जोशी द्वारा चलाये गये वैदिक उपक्रमों और संस्कारों को निरंतर आगे बढाना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय कुलगुरु अनिल राय ने की। कार्यक्रम में हरीराम रणवा, महेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

वीर सावरकर की विचारधारा आज भी करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने महान स्वतंत्रता सेनानी, राष्ट्रवादी चिंतक, लेखक एवं समाज सुधारक वीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वीर सावरकर भारत माता के ऐसे सपूत थे, जिन्होंने जीवनपर्यंत देश की स्वतंत्रता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने के लिए संघर्ष किया। देवनानी ने कहा कि वीर सावरकर का क्रांतिकारी व्यक्तित्व और प्रखर राष्ट्रवादी विचारधारा आज भी करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उनका असाधारण त्याग और आत्मबल भारत के स्वाधीनता संग्राम का एक अमिट अध्याय है। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी थे बल्कि उन्होंने समाज को जात-पात, भेदभाव और अंधविश्वास से मुक्त करने का भी प्रयास किया।

उन्होंने 'एक मंदिर, एक भोजन, एक जल' जैसे सिद्धांतों के माध्यम से सामाजिक समरसता का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि सावरकरजी का साहित्य, उनकी कविताएं और ऐतिहासिक लेखन राष्ट्र को एक सुदृढ़ वैचारिक आधार प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे वीर सावरकर के जीवन और दर्शन को पढ़ें, समझें और उनके राष्ट्रप्रेम, साहस तथा विचारशीलता से प्रेरणा लें। देवनानी ने कहा कि आज के समय में जब दश सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब वीर सावरकर का दृष्टिकोण और उनका समर्पण देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि समस्त प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे वीर सावरकर की जयंती को केवल स्मरण का दिवस न मानें बल्कि उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करना चाहिए।

भारतीय सेना का जलवा, पाकिस्तान में आतंकवादी रोने लगे : दिलावर

कोटा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने भारतीय सेना के शौर्य की प्रशंसा करते हुए कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमारी सेना ने पाकिस्तान में स्थित आतंकवादियों के नौ ठिकानों को नेस्तनामूद कर ऐसा जलवा दिखाया है कि आतंकवादियों का आका अजर मसूद रोने लगा और मौत की दुआ मांगने लगा था। दिलावर बुधवार को कोटा जिले में चेचट में आयोजित सिंदूर शौर्य तिरंगा यात्रा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारी भारतीय सेना ने पाकिस्तान में स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला कर सौ से अधिक आतंकवादियों को तो जन्नत दिखा दी बाकी जो छोटे मोटे बचे है।

वो जान बचाने के लिए चूहे की तरह बिल में दुबके है। उन्होंने कहा कि जब जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने कायराना हमला किया तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी थी ऐसा सबक सिखाएंगे की पीढ़ियां याद करेंगी। जिसकी कल्पना भी नहीं की होगी। हमारी सेना ने मोदीजी के कहे अनुसार ब्याज सहित बदला लिया। ऐसा बदला लिया की दुश्मन की पीढ़ियां याद करेंगी। उन्होंने कहा कि आतंकवादी रोने लगे ,गुहार लगाने लगे अल्लाह मर जाते तो अच्छा होता। चीन की हेकड़ी भी पाकिस्तान के काम नहीं आई। जिन मिसाइल को चीन कहता था कि यह तबाही ला देंगी, वह मिसाइल भारत के सामने खिलौना साबित हुई। उन्होंने भारतीय सेना की अधिकारी सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह को भारतीय शेरनियां बताते हुए कहा कि इन दोनों भारतीय शेरनियों के नाम पाकिस्तान कभी भूल नहीं पायेगा। तिरंगा यात्रा के दौरान जय हिंद,जय हिंद की सेना और भारत माता की जय के नारे से पूरा चेचट कस्बा गूंजा उठा। तिरंगा झंडा हाथ में लिए 500 से अधिक महिलाएं तिरंगा यात्रा में सबसे आगे चल रही थी। जिनके पीछे दिलावर हाथ में तिरंगा झंडा लेकर चल रहे थे और इनके पीछे सैकड़ों पुरुष, युवा और बच्चे देशभक्ति के नारे लगाते चल रहे थे। तिरंगा यात्रा का मुख्य आकर्षण सौ फीट लंबा तिरंगा झंडा था जिसे पकड़ कर महिलाएं चल रही थी। मार्ग में यात्रा का जगह जगह स्थानीय निवासियों ने पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया।

क्या राजस्थान में है माफियाराज? : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की भजन लाल सरकार पर कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने जोधपुर के लूणी में बजरी माफिया के हमले में घायल हुए पुलिस कांस्टेबल सुनील विश्नोई के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसे राज्य में विफल हो रही कानून-व्यवस्था का उदाहरण बताया। गहलोत ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा, मैं ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं। इस दुखद घटना को उन्होंने सीधे तौर पर सरकार की विफलता से जोड़ा है, जो सत्तारूढ़ पार्टी पर बड़ा राजनीतिक दबाव डालती है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ऐसा लगता है कि पुलिस-प्रशासन और सरकार माफियाओं के सामने कमजोर पड़ रही है जिसका खामियाजा जनता को उठाना पड़ रहा है। यह बयान सीधे तौर पर भजन लाल सरकार की शासन क्षमता पर सवाल खड़ा करता है और यह दर्शाता है कि विपक्ष इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाने की तैयारी में है। बजरी माफिया का मुद्दा राजस्थान में लंबे समय से एक गंभीर समस्या रहा है, और पुलिसकर्मी पर हमला व उसकी मौत ने इस मुद्दे को और भी संवेदनशील बना दिया है। यह घटना दर्शाती है कि राज्य में अवैध खनन और संगठित अपराध पर लगाम लगाने में सरकार को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

गहलोत के इस बयान से भाजपा सरकार पर दबाव बढ़ेगा कि वह अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे और कानून व्यवस्था को पटरी पर लाए। आने वाले समय में यह मुद्दा विधानसभा सत्र या स्थानीय चुनावों में एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है, जहां कांग्रेस सरकार की कमजोरियों को उजागर करने का प्रयास करेगी।

मां के खिलाफ पुत्र की हत्या के आरोप में मामला दर्ज

बारां। राजस्थान में बारां जिले के अटरू थाना क्षेत्र में उदपुरिया गांव में करीब डेढ़ महीने के मासूम की संदिग्ध मौत को लेकर पुलिस ने पिता की शिकायत पर पत्नी के खिलाफ़ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सिकंदर मीणा ने शिकायत की है कि मंगलवार को सुबह करीब छह बजे उसकी पत्नी घर पर चाय बना रही थी। बच्चा रो रहा था, तो उसने पहले बच्चे को दूध पिलाने और बाद में चाय बनाने के लिए कहा था। इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी शुरू हो गयी। मां ने बड़बड़ाते हुये चाय बाहर फेंक दी। मामला बिगड़ते देख वह घर से निकल गया। कुछ देर बाद रोने चिल्लाने की आवाज आने लगी तो वापस घर पहुंचा। वहां बच्चे को बेहोश देख उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वरिष्ठ नागरिक राष्ट्र की नींव हैं : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक राष्ट्र की नींव हैं, जिस पर वर्तमान खड़ा है और भविष्य निर्मित होगा। हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहां बुजुर्गों को न केवल सहारा मिले, बल्कि वे स्वयं को समाज के सक्रिय और गौरवशाली अंग के रूप में अनुभव करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के बुजुर्गों को लाभान्वित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है।

गहलोत बुधवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण एवं सशक्तिकरण पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा वृद्ध कल्याण योजना, भक्त श्रवण कुमार कल्याण सेवा आश्रम (डे-केयर सेंटर), माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम- 2007, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह, स्वयंसिद्धा आश्रम, राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड तथा अटल वयो अभ्युदय योजना सरीखी विभिन्न योजनाएं संचालित कर हजारों वरिष्ठजनों को लाभान्वित किया जा रहा है।

गहलोत ने कहा कि इन सबके अलावा प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिकों के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, देवस्थान विभाग, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित कई विभागों द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा कोई बीमारी नहीं है, यह ताकत और उत्तरजीविशा है, सभी प्रकार के उतार-चढ़ाव और निराशाओं, परीक्षणों और बीमारियों पर विजय है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने कहा कि विभाग द्वारा वरिष्ठजनों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज में हो रहे विभिन्न बदलावों के चलते बुजुर्गों में एकाकीपन और अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। ऐसी दशा से बचाव के लिए बुजुर्ग अर्थोपार्जन के साथ स्वयं को व्यस्त रखें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। कार्यशाला में नामचीन मनोवैज्ञानिक, श्रेष्ठ योग प्रशिक्षक, बेहतरीन आहार विशेषज्ञ, स्वयं सेवी संस्था, पुलिस, सायबर सेल के अधिकारी एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने योग व ध्यान, मानसिक स्वास्थ्य और निवारक देखभाल सत्र, पोषण व स्वस्थ रूप में वृद्धावस्था, सामाजिक सुरक्षा लाभों के बारे में जागरूकता, वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार की रोकथाम और प्रतिक्रिया, सामाजिक-जुड़ाव और समय प्रबंधन के लिए रणनीतियां, वित्तीय योजना और डिजिटल साक्षरता और अंतर पीढ़ीगत सेशंस के जरिए वृद्धजनों को जागरूक किया।

उत्तर पुस्तिकाएं जांचने में लापरवाही, चार शिक्षक निलंबित

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान में दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में चार सरकारी स्कूली शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। माध्यमिक शिक्षा विभाग के आदेश के अनुसार अलवर के दो और डीडवाना-कुचामन जिले के दो शिक्षकों को मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान नियमों का पालन नहीं करने के लिए निलंबित किया गया है। अलवर में रेलवे स्टेशन माध्यमिक विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक ओम प्रकाश सैनी 10वीं कक्षा की गणित की उत्तर पुस्तिकाएं वितरित करने के प्रभारी थे। उन्होंने खुद काम करने के बजाय यह काम एक प्रशिक्षु को सौंप दिया। प्रशिक्षु ने उत्तर पुस्तिकाएं एक अन्य शिक्षिका मीनाक्षी अरोड़ा को सौंप दीं, जो बाद में उत्तर पुस्तिकाओं की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती पाई गईं। निदेशालय ने इसे गंभीर गलती बताया और परीक्षा की कॉपियों की गोपनीयता बनाये रखने में विफल रहने को लेकर दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया। एक अन्य मामले में, डीडवाना के निंबड़ी मकराना उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक भवरूद्दीन को मूल्यांकन के लिए संस्कृत की 366उत्तर पुस्तिकाएं दी गईं।

नगरीय निकायों के पुनर्गठन के प्रस्तावों को लेकर उप समिति की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मंत्रिमण्डल सचिवालय, राजस्थान सरकार के आदेशों की अनुपालना में बुधवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में नगरीय प्रशासन को और अधिक प्रभावशाली, उत्तरदायी एवं समावेशी बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण द्वितीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन से जुड़े प्रस्तावों पर गहन परीक्षण और विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में मंत्रीमण्डलीय उप समिति के सदस्य जल संसाधन विभाग के मंत्री सुरेश सिंह रावत, राज्यमंत्री वन विभाग संजय शर्मा, राज्यमंत्री सहकारिता विभाग गौतम कुमार तथा समिति के संयोजक राज्यमंत्री नगरीय विकास विभाग झाबर सिंह खर्रा द्वारा इस बैठक में जोधपुर, भरतपुर एवं जयपुर संभाग की नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्रस्तावों पर समीक्षा एवं विचार विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रारम्भ की गई इस पहल का मूल उद्देश्य राज्य के नगरीय निकायों को वर्तमान यथार्थ और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालना है, ताकि आमजन तक प्रशासन की पहुँच सुलभ हो, स्थानीय विकास को गति मिले और शहरी क्षेत्रों में जीवनस्तर में सार्थक सुधार आए।

बाड़मेर में अधिकतम तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में गर्मी ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है जहां बाड़मेर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र (जयपुर) के अनुसार इसी तरह अधिकतम तापमान जैसलमेर में 45.4 डिग्री, फलोदी में 45.2 डिग्री, जोधपुर में 44.3 डिग्री, बीकानेर में 43.5 डिग्री, गंगानगर एवं चूरू में 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी जयपुर में इस दौरान अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमश: 40.6 डिग्री और 28.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य के कई हिस्सों में अगले तीन-चार दिन मेघगर्जन के साथ आंधी चल सकती है एवं हल्की बारिश हो सकती है।

एसएमएस अस्पताल से फरार हुए चार बंदी पकड़े गए, पांच पुलिसकर्मी व चार परिजन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एसएमएस अस्पताल से उपचार के दौरान फरार हुए चार बंदियों को पुलिस ने दस्तयाब कर लिया है। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले पांच पुलिसकर्मियों के साथ-साथ बंदियों की फरारी में मदद करने वाले चार परिजनों को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 24 मई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि केंद्रीय कारागृह से उपचार के लिए लाए जा रहे बंदियों में से कुछ फरार होने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर थानाधिकारी एसएमएस अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां पहले से मौजूद पुलिस गार्ड के साथ आए बंदी रफीक उर्फ बकरी, भंवरलाल, अंकित बंसल और करण गुप्ता अस्पताल परिसर से भाग चुके थे।

पुलिस द्वारा तुरंत अस्पताल परिसर, ओपीडी, धन्वंतरी विंग और बाहरी क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान गार्ड की पुलिस जीप खाली हालत में मिली।

अस्पताल में मौजूद लोगों ने बताया कि पांच बंदी गार्ड के साथ आए थे, जिनमें से चार भाग गए और गार्ड उन्हें पकड़ने के लिए पीछे दौड़े। पुलिस जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि फरार बंदी रफीक और भंवरलाल को जालुपुरा थाना पुलिस ने तथा अंकित बंसल और करण गुप्ता को एयरपोर्ट थाना पुलिस ने पकड़ लिया है। मामले की जांच लालकोठी थाने के एसआई बन्नालाल को सौंपी गई थी। जांच में सामने आया कि फरारी की योजना में गार्डों और परिजनों की मिलीभगत थी। पुलिस ने बंदियों की मदद करने वाले पांच पुलिसकर्मियों और चार परिजनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

इसके अतिरिक्त, बंदियों को एसएमएस अस्पताल में रेफर कराने में मदद करने वाले बंदी आनंदीलाल उर्फ नंदलाल और रफीक-भंवरलाल को रेफर कराने के लिए 20,000 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करने वाले आरोपी आलिम को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी एंगल से जांच कर रही है ताकि इस तरह की चूक दोबारा न हो सके।

नौतपा में सूरज पी गया कोटा के बांधों का 140.8 मिलियन घनमीटर पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। नौतपा के दौरान गर्मी तेजी से बढ़ रही है और कुछ जिलों का तापमान तो 45 डिग्री तक पहुंच गया है। अब तीखी धूप पानी को तेजी से वाष्पीकृत कर रही है। कोटा के बांधों का 140.8 मिलियन घनमीटर पानी नौतपा पी गया है। लिहाजा बांध-तालाबों का जल स्तर तेजी से गिर रहा है। नौतपा के दिनों में कोटा संभाग सहित प्रदेश के छोटे बांधों में पानी तेजी से घटने लगा है। दो माह में ही करीब चार प्रतिशत पानी कम हो गया, जबकि औसत रूप से पानी निकासी का आंकड़ा तीन से साढ़े तीन प्रतिशत रहता आया है। छोटे-मध्यम श्रेणी के खाली होने वाले बांध की संख्या 335 से बढ़कर 353 पहुंच गई है। इसके अलावा 25 से 30 प्रतिशत पानी का वाष्पीकरण होता रहा है, जो इस बार कुछ ज्यादा होने की आशंका है। इस साल गर्मी का असर ज्यादा होने के कारण वर्तमान में 40 प्रतिशत पानी का वाष्पीकरण हो रहा है।

राजस्थान के बांधों में पिछले वर्ष की तुलना में इस साल 4.55 फीसदी पानी ज्यादा है, लेकिन भीषण गर्मी के बीच बांधों में पानी का स्टोरेज भी तेजी से घट रहा है। अभी तक 335 बांध खाली हो चुके हैं, जबकि 349 बांधों में थोड़ा ही पानी बचा है। इनमें कोटा जिले के कुछ छोटे बांध और तालाब भी शामिल है। हालांकि प्रदेश के सात बड़े बांधों से राहत मिलने की जरूर आस बंधी है, जहां जरूरत के अनुरूप पानी उपलब्ध होने का दावा किया जा रहा है। इनमें कोटा जोन के चम्बल नदी पर स्थित तीनों बांध भी शामिल है। प्रदेश के बांधों में दो माह पहले 44.84 प्रतिशत पानी था, जो अब घटकर 40.90 प्रतिशत रह गया। वहीं पिछले एक माह की बात करें तो बांधों में 43.36 प्रतिशत पानी था, जो अब घटकर 40.90 प्रतिशत रहा गया है। कुछ ही समय में पानी की निकासी का यह अंतर परेशान करने वाला है।

जानकारी के अनुसार प्रदेश में 22 बड़े बांध हैं, जिनकी जल भराव क्षमता 8104.656 एमसीएम है, जिसमें वर्तमान में 4977.386 पानी है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में कोटा संभाग के बांधों में सबसे अधिक पानी की उपलब्धता है। कोटा संभाग में मई माह में पानी की उपलब्धता 59.40% है जबकि जोधपुर संभाग के बांधों में केवल 22.50% ही पानी शेष बचा है। रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में पिछले साल अच्छी बरसात होने के कारण बांधों में पानी की पर्याप्त आवक हुई है। इस कारण चंबल के चारों बांधों में अथाह जलराशि मौजूद है। राजस्थान के कई क्षेत्रों में बरसात कम होने से अधिकांश बांधों में जलभराव की स्थिति काफी विकट है। अब गर्मी बढ़ने से कई बांधों में पानी रीतने लगा है।

थायरॉइड विकारों के शीघ्र निदान में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका होगी: एम्स भुवनेश्वर

भुवनेश्वर/भाषा। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर के कार्यकारी निदेशक आशुतोष बिस्वास ने बुधवार को कहा कि एआई देश में थायराइड विकारों के प्रारंभिक निदान और प्रबंधन में बदलाव ला सकता है। उन्होंने व्यक्तिगत चिकित्सा में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से हाइपोथायरायडिज्म के लिए, जो देश में 10 में से एक वयस्क को प्रभावित करता है। बिस्वास ने कहा, ''एआई डायग्नोसिस, जिसे एम्स भुवनेश्वर में शुरू किया जाना है, प्रारंभिक निदान में मदद करेगा, रोग की प्रगति पर नजर रखेगा और परिणाम-आधारित दवा की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों के रोगियों को लाभ होगा।''

फ्रांस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ : रविशंकर प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/पेरिस/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि फ्रांस ने पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ अपनी एकजुटता दोहराई और इस बात पर सहमति व्यक्त की कि लोकतांत्रिक दुनिया को इस मुद्दे पर एक स्वर में आवाज उठाने की जरूरत है।

आतंकवाद पर भारत के रुख से अवगत कराने के लिए यूरोप यात्रा पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे प्रसाद ने पेरिस यात्रा के समापन पर यह बात कही।

भारत के इस नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने, फ्रांस की उप राष्ट्रपति जैकलीन यूस्टेश ब्रिनियो नीत भारत-फ्रांस मैत्री समूह के प्रतिनिधियों और विदेश मामलों एवं रक्षा समिति के सदस्यों के साथ भव्य 'लक्जमबर्ग पैलेस' में मंगलवार को अपने अंतिम कार्यक्रम में हिस्सा लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का अगला गंतव्य इटली की राजधानी रोम है। प्रसाद ने पत्रकारों से कहा, ''इस भव्य महल में सीनेट के सभी सहयोगियों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ होने की बात कही।''

उन्होंने कहा, '' वे इस बात से पूरी तरह से सहमत थे कि फ्रांस और भारत, वास्तव में पूरे लोकतांत्रिक विश्व को पाकिस्तान में पनप रहे और पाकिस्तान द्वारा समर्थित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक स्वर में आवाज उठाने की जरूरत है।''

प्रसाद ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल इस समर्थन से वास्तव में अभिभूत है और उसने फ्रांस के सांसदों का इसके लिए आभार भी व्यक्त किया।

सांसदों के साथ बातचीत मंगलवार को नेशनल असेंबली में भारत-फ्रांस मैत्री समूह के सदस्यों के साथ बैठक के बाद हुई।

समूह के अध्यक्ष थिएरी टेसन ने कहा, '' यह बैठक हमारे लिए काफी अहम रही क्योंकि हमें यह पता चला कि भारत, फ्रांस को लेकर क्या सोच रखता है। हमारे बीच एक ऐसी साझेदारी है जो बेहद मजबूत है, बहुत पुरानी है और दोनों देशों के लिए काफी हद तक अच्छी है। यह भविष्य के लिए आशाजनक है।'' यह समूह जल्द ही भारत की यात्रा करने की योजना बना रहा है।

इससे पहले सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, प्रियंका चतुर्वेदी, गुलाम अली खटाना, डॉ. अमर सिंह, समिक भट्टाचार्य, एम. थंबीदुरई, पूर्व केंद्रीय मंत्री एम. जे. अकबर और पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज सरन वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान में निहित आतंकवाद के वैश्विक पहलू को उजागर करने के लिए फ्रांस की मीडिया से बातचीत की थी।

पद्म सम्मान पाने वाली हस्तियों की उपलब्धियां पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पद्म पुरस्कार समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण को साकार करता है, जिसमें लोगों के नेतृत्व वाले सामाजिक परिवर्तनों को प्रोत्साहित करने के लिए उन व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है, जो चुपचाप सकारात्मक बदलाव लाए हैं।

पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वालों के सम्मान में मंगलवार को रात्रिभोज का आयोजन करते हुए शाह ने यह भी कहा कि सम्मानित शख्सियतों की उपलब्धियां पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी। समारोह के बाद मंत्री ने कहा, ''पद्म पुरस्कार समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण को साकार करता है, जिसके तहत चुपचाप सकारात्मक बदलाव लाने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करके जन-नेतृत्व वाले सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित किया जाता है।'' शाह ने पद्म पुरस्कार पाने वाली शख्सियतों को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''पद्म पुरस्कार 2025 से सम्मानित हस्तियों की मेजबानी करके मुझे खुशी हुई।'' गृह मंत्री ने सम्मान प्राप्त करने वाली हस्तियों से उनकी अनूठी जीवन यात्रा और समाज में उनके द्वारा लाए गए बदलावों के बारे में बात की और कहा कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव था।

ट्रंप प्रशासन के दावों पर प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ें : कांग्रेस

नयी दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के ट्रंप प्रशासन द्वारा किए जा रहे इस दावे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष व्यापार एवं शुल्क को आधार बनाकर रुकवाया था।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने 23 मई, 2025 को न्यूयॉर्क स्थित अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत (यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड) में एक बयान दाखिल कर कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक 'युद्धविराम' कराने और 'शांति' स्थापित करने के लिए अपने शुल्क अधिकारों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देश को यह बताना चाहिए कि क्या यह सच है? रमेश ने यह भी कहा, हावर्ड लुटनिक वही बात दोहरा रहे हैं जो खुद राष्ट्रपति ट्रंप 11 दिनों में तीन अलग-अलग देशों में आठ बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसी तरह का बयान देते हुए भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए एक तटस्थ स्थान का ज़िक्र किया है।

मणिपुर में 44 विधायक नयी सरकार बनाने के लिए तैयार : भाजपा नेता का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर में भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम सिंह ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात के बाद दावा किया कि 44 विधायक नयी सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। सिंह ने नौ अन्य विधायकों के साथ राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की।

उन्होंने कहा, 44 विधायक जनता की इच्छा के अनुसार सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। हमने राज्यपाल को यह बता दिया है। हमने इस मुद्दे के लिए क्या समाधान हो सकते हैं, इस पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, राज्यपाल ने हमारी बातों पर गौर किया और लोगों के सर्वोत्तम हित में कार्रवाई शुरू करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह सरकार बनाने का दावा करेंगे, तो उन्होंने कहा कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व निर्णय लेगा। सिंह ने कहा, हालांकि, यह बताना कि हम तैयार हैं, सरकार बनाने का दावा पेश करने जैसा है। विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने 44 विधायकों से व्यक्तिगत और संयुक्त रूप से मुलाकात की है। किसी ने भी नयी सरकार के गठन का विरोध नहीं किया है। उन्होंने कहा, लोगों को बहुत अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कार्यकाल में कोविड के कारण दो साल बर्बाद हो गए थे और इस कार्यकाल में संघर्ष के कारण दो और साल बर्बाद हो गए हैं।

भाजपा नेता एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद फरवरी से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। मई 2023 में शुरू हुए मेइती और कुकी-जो समुदाय के बीच जातीय संघर्ष से निपटने के उनके सरकार के तरीके को लेकर आलोचनाओं के बीच बीरेन ने इस्तीफा देने का फैसला लिया था।

मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल 59 विधायक हैं। एक सीट एक विधायक के निधन के कारण रिक्त है।

असम, मेघालय में अवैध कोयला खनन मामले की सीबीआई जांच हो: गोगोई

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने असम और मेघालय में ''अवैध रैट होल माइनिंग'' से जुड़े मामले को लेकर केंद्र एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि इसकी सीबीआई द्वारा जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने यह सवाल भी किया कि असम सरकार और केंद्र ने अब तक कोई कदम क्यों नहीं उठाया? गोगोई ने कहा, 'हाल ही में पूर्वोत्तर को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक शिखर बैठक को संबोधित किया। उसमें कई सारे मुद्दों पर बात की गई, लेकिन जमीनी हालत काफी अलग और चिंताजनक हैं।'' उन्होंने दावा किया कि आज अवैध कोयला खनन और नशीले पदार्थ के कारोबार जैसी दो बड़ी बीमारियों ने उत्तर पूर्वांचल को जकड़ रखा है। गोगोई ने आरोप लगाया कि भाजपा की छत्रछाया में पूर्वोत्तर अवैध कोयला खनन और नशीले पदार्थ के अवैध कारोबार का हब बन चुका है। उनका कहना था, ''इस साल अप्रैल में ईडी ने मेघालय और असम राज्यों में जादिगिट्टिम, नोंगलबिबरा, जोगीघोपा (बोंगाईगांव), मार्घेरिटा (तिनसुकिया) और गुवाहाटी में छापे मारे। छापामारी के बाद ईडी ने इस मामले में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अवैध कोयला खनन के सिंडिकेट की जानकारी दी।

दक्षिण-पश्चिम मानसून ओडिशा के कुछ हिस्सों में पहुंचा: आईएमडी

भुवनेश्वर/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को ओडिशा के कुछ हिस्सों में पहुंच गया, जो राज्य में इसके आगमन के सामान्य समय से लगभग 13 दिन पहले है। ओडिशा के कई जिलों में मंगलवार से भारी बारिश हो रही है।

आईएमडी ने बुलेटिन में कहा, ''दक्षिण-पश्चिम मानसून ने आज ओडिशा में दस्तक दे दी। इसने ओडिशा के पूरे मलकानगिरि और कोरापुट जिलों और नवरंगपुर, कालाहांडी, रायगड़ा और गजपति जिलों के कुछ हिस्सों को आच्छादित कर लिया है।'' आईएमडी महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि जून से सितंबर तक मानसून के मौसम के दौरान ओडिशा में औसत से अधिक बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''ओडिशा सहित पूरे भारत में दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 106 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है।'' मौसम विभाग के सूत्रों ने बताया कि ओडिशा में मार्च से मई तक प्री-मानसून अवधि में सामान्य से 59 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है, जो 188.9 मिलीमीटर दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि के दौरान औसत वर्षा 119.1 मिलीमीटर होती है। इससे पहले, आईएमडी ने पांच जिलों - जगतसिंहपुर, पुरी, कटक, कोरापुट और रायगढ़ा में 'ऑरेंज' अलर्ट (कार्रवाई के लिए तैयार रहें) जारी किया था - जहां 30 मई तक 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से तेज हवाओं के साथ आकाशीय बिजली गिरने और आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की संभावना है। एक अन्य बुलेटिन में कहा गया, ओडिशा तट से दूर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी भाग पर बना निम्न दबाव क्षेत्र आज सुबह 05:30 बजे भारतीय समयानुसार उसी क्षेत्र में अच्छी तरह से चिह्नित हो गया।

थरूर को भाजपा का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर देना चाहिए: उदित राज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता उदित राज ने अपनी पार्टी के सांसद शशि थरूर के एक ताजा बयान को लेकर बुधवार को उन पर निशना साधा और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर देना चाहिए।

पाकिस्तान के साथ हालिया संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत का पक्ष रखने के लिए विदेश गए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थरूर ने पनामा में कहा कि हाल के वर्षों में जो बदलाव आया है वह यह है कि आतंकवादियों को भी एहसास हो गया है कि उन्हें अपने किए की कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पहली बार ऐसा हुआ कि सितंबर, 2016 में उरी हमले के बाद भारत ने आतंकी ठिकानों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा को पार किया।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने थरूर के कथन का प्रतिवाद करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के बयान का एक वीडियो साझा किया और कहा कि सिंह ने इस बात का उल्लेख किया था कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के तहत कई सर्जिकल स्ट्राइक हुईं थीं।

थरूर के बयान को लेकर उदित राज ने पोस्ट किया, ''प्रिय शशि थरूर, अफसोस! मैं प्रधानमंत्री मोदी से इसकी पहल कर सकता हूं कि वह आपको भाजपा का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर दें, यहां तक कि भारत लौटने से पहले आपको विदेश मंत्री भी घोषित कर दें।''

उन्होंने कहा, ''आप यह कहकर कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास को कैसे बदनाम कर सकते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी से पहले भारत ने कभी भी नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार नहीं की। 1965 में भारतीय सेना ने कई स्थानों पर पाकिस्तान में प्रवेश किया, जिसने लाहौर सेक्टर में पाकिस्तानियों को पूरी तरह से चौंका दिया।''

आठ माह की समुद्री यात्रा के बाद 'आईएनएसवी तारिणी' पोत 29 मई को स्वदेश लौटेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। आठ माह तक चार महाद्वीपों की चुनौतीपूर्ण समुद्री यात्रा करने के बाद दो महिला अधिकारियों को लेकर, भारतीय नौसेना का पोत आईएनएसवी तारिणी 29 मई को स्वदेश लौटेगा।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने पिछले साल दो अक्टूबर को गोवा के नौसेना महासागर नौकायन नोड से भारतीय नौसेना के नौकायन पोत (आईएनएसवी) तारिणी को हरी झंडी दिखाई थी। नौसेना के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि तारिणी के ध्वजारोहण समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गोवा के मोरमुगाओ बंदरगाह पर करेंगे, जो औपचारिक रूप से वैश्विक जलयात्रा के समापन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस दुर्लभ सफर को पूरा करते हुए लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए और लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के 29 मई को गोवा के तटों पर पहुंचेंगी।

प्रवक्ता ने कहा, ''आठ महीनों की अवधि में नौसेना की जोड़ी (जिसे दिलरू के नाम से जाना जाता है) ने चार महाद्वीपों, तीन महासागरों और तीन ग्रेट केप में 25,400 नॉटिकल मील (लगभग 50,000 किमी) की दूरी तय की, जिसमें मौसम की प्रतिकूल स्थिति और चुनौतीपूर्ण समुद्री लहरों का सामना करते हुए पूरी तरह से पाल और पवन ऊर्जा की मदद ली गई।'' नौसेना ने कहा कि वह तारिणी के नाविका सागर परिक्रमा-द्वितीय के विजयी दल का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रवक्ता ने कहा, ''यह अभियान भारत के समुद्री प्रयासों का प्रतीक है, जो वैश्विक तौर पर समुद्री गतिविधियों में राष्ट्र की प्रमुखता और उत्कृष्टता के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और नारी शक्ति 'साहसी दिल असीम समुद्र' के आदर्श वाक्य को दर्शाता है।''

उभरते भारत के गौरवशाली ध्वजवाहक के रूप में, लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए और लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना ने फ्रेमेंटल (ऑस्ट्रेलिया), लिटलटन (न्यूजीलैंड), पोर्ट स्टेनली (फॉकलैंड द्वीप) और केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका) के बंदरगाहों पर रुककर अपनी आगे की जलयात्रा की। अधिकारियों ने कई कूटनीतिक और आउटरीच कार्यक्रमों में भाग लिया, दुनिया भर के विभिन्न सांसदों, भारतीय प्रवासियों, स्कूली बच्चों, नौसेना के कैडेटों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ बातचीत की।

दूरदराज के क्षेत्रों में

आदिवासी लोगों को शस्त्र लाइसेंस देगी असम सरकार : मुख्यमंत्री हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि सरकार (सुरक्षा की दृष्टि से) ''संवदेनशील और दूरदराज'' के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी लोगों को शस्त्र लाइसेंस देगी ताकि उनमें सुरक्षा की भावना पैदा हो।

शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की ''मांग'' पर विचार के मद्देनजर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, ''असम एक बहुत ही अलग और संवेदनशील राज्य है। कुछ क्षेत्रों में रहने वाले असमिया लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और वे लंबे समय से शस्त्र लाइसेंस की मांग कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पात्र लोगों को लाइसेंस देने में उदारता बरतेगी, जो मूल निवासी होने चाहिए और राज्य के (सुरक्षा की दृष्टि से) ''संवदेनशील और दूरदराज'' के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदाय से संबंधित होने चाहिए।

उदित राज ने राहुल गांधी के इशारे पर थरूर पर निशाना साधा : भारतीय जनता पार्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता उदित राज, राहुल गांधी के इशारे पर अपनी पार्टी के सहयोगी शशि थरूर पर निशाना साध रहे हैं, क्योंकि जब पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेनकाब करने की बात आयी तो केरल के सांसद ने राष्ट्रीय हित को अपनी पार्टी और गांधी परिवार से ऊपर रखा।

भाजपा की यह टिप्पणी उदित राज द्वारा थरूर पर निशाना साधे जाने के बाद आई है। थरूर ऑपरेशन सिंदूर के बाद पांच देशों के लिए रवाना हुए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। थरूर ने पनामा में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर कहा था कि भारत ने आतंकवादी ठिकानों पर 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान पहली बार नियंत्रण रेखा पार की थी।

उदित राज ने अपनी पार्टी के सांसद शशि थरूर के ताजा बयान को लेकर बुधवार को उनपर निशना साधा और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर देना चाहिए।

इस पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने गांधी के कहने पर थरूर पर हमला करने के लिए उदित राज को ऐसे समय में लगाया है, जब कांग्रेस सांसद थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए विदेश में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जो ''अपने ही नेता पर मिसाइल दाग रही है'', पाकिस्तान के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलेगी।

पूनावाला ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''राहुल गांधी के इशारे पर शशि थरूर पर हमला किया जा रहा है, क्योंकि शशि थरूर ने भारत को प्राथमिकता दी, न कि (गांधी) परिवार को। उन्होंने राष्ट्रीय हित की बात की, न कि अपनी पार्टी के हित की। उनपर इसलिए हमला किया जा रहा है, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय नीति को वोट बैंक (राजनीति) से ऊपर रखा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक में कहा था कि वह इस मुद्दे पर देश और भारतीय सशस्त्र बलों के साथ है, लेकिन वह अपने व्यवहार में लगातार दोहरे मापदंड प्रदर्शित कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं के हालिया बयानों का हवाला दिया, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की 'ऑपरेशन सिंदूर' पर 'छिटपुट युद्ध' टिप्पणी भी शामिल है। प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान को 'क्लीन चिट' देने में लगी हुई है।

पूनावाला ने आरोप लगाया, ''आज कांग्रेस पाकिस्तान के डीजी आईएसपीआर (अहमद शरीफ चौधरी) की तरह बात करते हुए अपने ही नेता (शशि थरूर) पर मिसाइल दाग रही है। यह (कांग्रेस) पाकिस्तान के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहेगी। यह पाकिस्तान को क्लीन चिट देगी।''

ऋषभ पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था : जहीर खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा।

मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए। उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था।'' भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, ''हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं।'' लखनऊ के लिए सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, ''जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।''

सुविचार

हर जीवन को अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने का मौका दिया जाना चाहिए कि हर जीवन मायने रखता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वदेशी और उद्यमिता: विकसित भारत की राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वदेशी उत्पादों का जिस तरह खुलकर समर्थन किया है, वह स्वागत योग्य है। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दीपावली से पहले विदेशी झालरों और होली से पहले विदेशी पिचकारियों का बहिष्कार कर देना ही काफी नहीं है। हमें अपने उद्योगों को मजबूत भी करना होगा। प्रधानमंत्री ने गणेशजी की प्रतिमाओं का जिक्र करते हुए जिस देश की ओर संकेत किया, वह दुनियाभर में अपना माल बेचने के लिए जाना जाता है। मोदी ने सत्य कहा कि देश को बचाना, बनाना और बढ़ाना है, तो यह सिर्फ सैनिकों की नहीं, 140 करोड़ नागरिकों की जिम्मेदारी है। देश सशक्त होना चाहिए, उसका नागरिक सामर्थ्यवान होना चाहिए। लेकिन यह होगा कैसा? इसके लिए हमें स्वतंत्रता आंदोलन के हमारे महान नेताओं के बारे में पढ़ना चाहिए। महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि ने स्वदेशी चीजों के इस्तेमाल और विदेशी चीजों के बहिष्कार की बहुत बड़ी मुहिम चलाई थी। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जापान, जर्मनी, इटली जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो गई थीं। ये देश खंडहर के ढेर से दोबारा खड़े हो गए। इन्होंने यह मुकाम स्वदेशी चीजों को बढ़ावा देकर हासिल किया था। भारत ने भी बहुत उन्नति की है, लेकिन यह इससे काफी ज्यादा का हकदार है। हमें आज चौथे स्थान पर नहीं, पहले स्थान पर होना चाहिए था। इसके लिए गुणवत्ता युक्त चीजों का उत्पादन होना जरूरी है।

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक पोस्ट बहुत वायरल हुई थी, जिसमें दावा किया गया था कि भारत के एक राज्य में किसी को आटा चक्की लगानी हो तो कई सरकारी दफ्तरों से मंजूरी लेनी होती है। जब एक छोटा-सा उद्योग लगाने के लिए इतने चक्कर काटने पड़ते हैं तो 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की हकीकत सामने आ जाती है। सरकार को चाहिए कि वह उद्योग लगाना बिल्कुल आसान कर दे। उदाहरण के लिए, अगर गांव में किसी को पापड़ और अचार उद्योग शुरू करना हो तो पूरी प्रक्रिया डिजिटल होनी चाहिए और सभी दफ्तरों से एक ही दिन में मंजूरी मिलनी चाहिए। उसके बाद संबंधित विभागों के अधिकारी खुद जाकर उस व्यक्ति को सलाह दें और सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहें। उसे बिजली-पानी के कनेक्शन लेने और बैंक खाता खुलवाने के लिए किसी दफ्तर न जाना पड़े। जो व्यक्ति उद्योग लगाता है, वह देश को कई तरह से लाभ पहुंचाता है, शक्तिशाली बनाता है। उसकी वजह से अन्य लोगों को रोजगार मिलता है। इससे मांग बढ़ती है और अर्थव्यवस्था का पहिया चलता है। सरकार को बुनियादी स्तर पर कई सुधार करने होंगे। उद्योग लगाने को जितना आसान बनाएंगे, बेरोजगारी जैसी समस्या का उतनी ही जल्दी समाधान होगा। विद्यार्थियों में स्कूली दिनों से ही यह सोच विकसित करनी होगी कि वे बड़े होकर उद्यमी बनेंगे। इसके लिए पाठ्यक्रम में अध्याय जोड़े जाएं। उद्यमियों को समय-समय पर स्कूलों में आमंत्रित करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी। जून 2020 में जब गलवान घाटी में पीएलए से भारतीय सेना की भिड़ंत हुई और हमारे देश में चीनी माल के बहिष्कार की मुहिम ने जोर पकड़ा था, तब बीजिंग से प्रकाशित होने वाले एक अख़बार के संपादक ने इसका उपहास उड़ाते हुए लिखा था, 'भले ही चीनी लोग भारतीय उत्पादों का बहिष्कार करना चाहें, लेकिन उन्हें वास्तव में बहुत सारे भारतीय सामान नहीं मिल सकते। आपके पास कुछ ऐसी चीजें होनी चाहिएं, जो राष्ट्रवाद से भी ज़्यादा महत्त्वपूर्ण हों।' हमें इसका जवाब उद्यमिता के जरिए देना होगा। हम स्वदेशी को अपनाकर और उद्यमिता को बढ़ावा देकर न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को सशक्त कर सकते हैं, बल्कि विश्व मंच पर भारत को अग्रणी बना सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

महान स्वाधीनता सेनानी और प्रखर राष्ट्रवादी श्री विनायक दामोदर सावरकर जी की जयंती पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में पुष्पांजलि अर्पित की। भारत की स्वतंत्रता के लिए स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी ने देश और विदेशों में भी क्रांतिकारियों को एकजुट किया।

-ओम बिरला

'विश्व पर्यावरण दिवस', 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' एवं 'लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती' के आयोजन की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों तथा समस्त जिला कलेक्टर्स के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक ली।

-भजनलाल शर्मा

जोधपुर के लूणी में बजरी माफिया के हमले में घायल हुए पुलिस कांस्टेबल श्री सुनील विश्नोई का निधन बहुत दुखद है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान के लिए दान

ओसियोला मेक्कार्टी का जन्म 7 मार्च, 1908 को मिसिसिपी में हुआ था। एक दिन उनकी आंटी की तबीयत खराब हो गई। उसे अस्पताल में देखभाल के लिए उनके साथ रहना पड़ा। इस जिम्मेदारी के चलते ओसियोला की पढ़ाई छूट गई। उनके परिवार में लोग कपड़े धोने का काम करते थे, अतः ओसियोला ने भी यही काम करने का निर्णय लिया। ओसियोला को अपनी मां से एक मूल्यवान सीख मिली थी 'पैसे को बुरे वक्त के लिए बचाकर रखना चाहिए।' एक दिन जब वे बैंक पहुंचीं, तो यह जानकर बहुत खुश हुईं कि बचत अब डेढ़ लाख डॉलर से अधिक हो चुकी थी। उसने एक निर्णय लिया। उन्होंने अपनी सारी बचत को 'यूनिवर्सिटी ऑफ साउथर्न मिसिसिपी' में अफ्रीकी-अमेरिकी विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप के रूप में दान कर दिया। इस प्रकार 'ओसियोला मेक्कार्टी स्कॉलरशिप' की शुरुआत हुई। ओसियोला ने कभी विवाह नहीं किया, लेकिन जिन विद्यार्थियों को उनकी स्कॉलरशिप से मदद मिली, वे उन्हें जीवन भर अपने परिवार का हिस्सा मानते रहे। उनकी निस्वार्थ सेवा और परोपकार के लिए उन्हें अनेक सम्मानों और पुरस्कारों से नवाजा गया।

सामयिक

भारत में एक ओर अर्से से अटकी परमाणु बिजली परियोजनाओं में विद्युत का उत्पादन शुरू हो रहा है, वहीं निजी निवेष से परमाणु ऊर्जा बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत जिले के तापी काकरापार में 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 700-700 मेगावाट बिजली उत्पादन के दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 22 फरवरी 2024 को राश्ट्र को समर्पित कर दिए हैं। ये देश के पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 10.4 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे।

जरूरी है परमाणु जवाबदेही बाधाओं से मुक्ति

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 09425488224

पहलगाम हमले के बदले में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले कानूनों में संशोधन पर विचार कर रही हैं। अंदाजा है कि आगामी मानसून सत्र में परमाणु क्षति के लिए अस्तित्व में लाए गए नागरिक दायित्व अधिनियम (सीएलएनडीए) 2010 में दो महत्वपूर्ण संशोधन सरकार कर सकती है। इन दो संशोधनों को बड़े सुधारों के रूप में देखा जा रहा है। इस संशोधन के तहत परमाणु संयंत्रों को उपकरण सप्लाई करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी सीमित की जा सकती है। मसलन यदि कोई दुर्घटना होती है तो उनकी जिम्मेदारी अनुबंध की मूल राशि और एक निर्धारित समय तक ही सीमित रहेगी। इस परिप्रेक्ष्य में बतौर उदाहरण विदेशी कंपनी जैसे जीई-हिताची वेस्टिंग हाउस को इस कानून के कारण निवेश में हिचक होती रही है। दूसरा संशोधन परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 में प्रस्तावित है। यह कानून फिलहाल केवल सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ही परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति देता है। इसे संशोधित किया जाता है तो निजी कंपनियों को भी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालन की अनुमति मिल सकती है। इस परिवर्तन से विदेषी कंपनियों के लिए भविष्य के परमाणु प्रोजेक्ट में अंशिक हिस्सेदारी का द्वार खुल जाएगा। साफ है, ये उपाय किए जाते हैं तो परमाणु उत्पादन बढ़ने की संभावनाएं तो बढ़ जाएंगी, लेकिन स्वच्छ ऊर्जा और परमाणु दुर्घटना होने पर कंपनियों को नागरिक जवाबदेही से मुक्ति मिल जाएगी। याद रहे मनमोहन सिंह सरकार के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत-अमेरिका के बीच हुए परमाणु समझौते के बाद जो राजनीतिक तूफान उठा था, उसके चलते संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-1 सरकार गिरते-गिरते बची थी।

दरअसल सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को बाधा मुक्त इसलिए करना चाहती है जिससे 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया जाए। इसी लक्ष्य पूर्ति के लिए सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाना चाहती है। इसीलिए 2024-25 के आम बजट में लघु परमाणु संयंत्रों के लिए सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया था। इस क्षेत्र में नया प्रयोग करते हुए पहली बार निजी कंपनियों को लघु परमाणु संयंत्र समूचे देश में स्थापित करने का अवसर दिया जाएगा। कालांतर में विदेषी कंपनियों को भी परमाणु संयंत्र लगाने की अनुमति दी जा सकेगी। साथ ही मॉड्यूलर (प्रतिरूपक) रिएक्टर के आधुनिकीकरण के लिए षोध और विकास पर भी धनराषि खर्च की जाएगी। जिससे परमाणु ऊर्जा में नई प्रौद्योगिकी का विकास हो, इसे पीपीपी मोडल पर क्रियांवित किया जाएगा। इसका उद्देष्य देश में स्वच्छ एवं वैकल्पिक बिजली को बढ़ावा देना है। इसी साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा पर गए थे, तब भारत में छोटे परमाणु संयंत्र लगाने और भारत में ही उत्पादन करने का समझौता हुआ था। एआई के दौर में ऊर्जा की खपत असाधारण रूप से बढ़ने की उम्मीद है। यह एक बड़ा कंप्युटर की भाषा का कृत्रिम बुद्धि से जुड़ा मॉडल हैं। भाषा मॉडल ऐसे मशीन लर्निंग मॉडल हैं, जो मानव भाषा के पाठ को समझ सकते है और सृजित भी कर सकते हैं। ये मॉडल भाषा के बड़े डेटा भंडार का विष्लेष्ण करने पर भी सक्षम होते हैं। सुपर और क्वांटम कंप्युटर में इसी एआई की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए परमाणु ऊर्जा की जरूरत लघु परमाणु संयंत्रों से ही संभव हैं। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में इसे क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है।

विकसित भारत के लिए ऊर्जा की उपलब्धता एक बड़ी जरूरत है। इसलिए सरकार सिर्फ पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना चाहती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जिस तरह से हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकी और गैर-सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया था, उन आयुधों के निर्माण और संचालन के लिए भी परमाणु ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। इस परिप्रेक्ष्य में सौर और पवन ऊर्जा पर सरकार पहले ही काफी कुछ कर चुकी है। अतएव अब फोकस परमाणु ऊर्जा पर केंद्रित है। क्योंकि इसमें संभावनाएं अधिक हैं। आम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने ऊर्जा सुरक्षा को सरकार की नौ प्राथमिकताओं में गिनाया था। ऊर्जा बदलाव के संबंध में एक नीतिगत दस्तावेज तैयार करने की बात भी कही गई है। इससे यह तय होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किस तरह से पारंपरिक ऊर्जा की जगह धीरे-धीरे अपारंपरिक ऊर्जा के स्रोत का महत्व बढ़ रहा है। यह दस्तावेज ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार, विकास और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का भी समाधान खोजेगा। अतएव इसी परिप्रेक्ष्य में निकेल, कोबाल्ट, तांबा और लिथियम जैसी धातुओं के उत्पादों के आयात पर शुल्क घटाया है। इन उत्पादों का प्रयोग परमाणु और सौर ऊर्जा के साथ दूसरे ऊर्जा उत्सर्जन उपायों में भी होता है। आयात सस्ता होने से इनका निर्माण भारत में करने में आसानी होगी। यही नहीं परमाणु ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा और अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली 25 धातुओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। यानी छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के रास्ते साफ किए जा रहे हैं।

भारत में एक ओर अर्से से अटकी परमाणु बिजली परियोजनाओं में विद्युत का उत्पादन शुरू हो रहा है, वहीं निजी निवेष से परमाणु ऊर्जा बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत जिले के तापी काकरापार में 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 700-700 मेगावाट बिजली उत्पादन के दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 22 फरवरी 2024 को राश्ट्र को समर्पित कर दिए हैं। ये देश के पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 10.4 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे। जो गुजरात में बिजली की आपूर्ति के साथ अन्य प्रांतों को भी बिजली देंगे। ये संयंत्र शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगे। भारत सरकार के उपक्रम परमाणु ऊर्जा निगम ने मध्यप्रदेश में चार नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। जल्दी ही ये संयंत्र नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी में लगेंगे। सब कुछ सही रहा तो जल्दी ही इन परियोजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। इन संयंत्रों के शुरू हो जाने पर 1200 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली पैदा होगी। भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता पिछले 10 साल में करीब दोगुनी हो चुकी है। 2031 तक इसके तीन गुना होने की उम्मीद है।

हालांकि परमाणु ऊर्जा से उत्पन्न खतरों की आषंकाएं भी एकदम बेबुनियाद नहीं हैं। इसलिए परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। रूस के चेर्नोबिल और जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में हादसे के बाद इस तरह की चिंताएं लाजिमी हैं। क्योंकि वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद प्राकृतिक आपदाओं के सामने हम बौने हैं। जापान में महज दस सेकेंड के लिए आई सुनामी नामक विराट आपदा ने फुकुशिमा की वैज्ञानिक उपलब्धियों को चकनाचूर कर दिया था। सृष्टि को संजीवनी देने वाले तत्व हवा, पानी और अग्नि जब न्यूनतम मर्यादाओं की सीमा लांघकर भीषण विराटता रचते हैं तो दसों दिशाओं में सिर्फ और सिर्फ विनाशलीला का मंजर दिखाई देता है। इसलिए जरुरी है कि परमाणु रिएक्टर प्रदायक कंपनियों को कड़ी षर्तों के तहत मुआवजे के प्रावधान निर्धारित हों या फिर बीमा कंपनियों को दुर्घटना की स्थिति में क्षतिपूर्ति से जोड़ा जाए।

परमाणु बिजली संयंत्रों में ग्रेफाइट मॉडरेट के रुप में प्रयोग होता है। जिसमें पानी की बहुत थोड़ी मात्रा विलय करने से हाइडोजन और ऑक्सीजन के विखण्डन के समय बहुत अधिक तापमान के साथ उर्जा निकलती है। इस उर्जा का दबाव टर्बाइन को तीव्रतम गति से घुमाने का काम करता है। नतीजतन बिजली उत्पन्न होती है। रिएक्टरों के इस उच्चतम तापमान को एक सेंटीग्रेट तक काबू में रखने के लिए रिएक्टरों पर ठंडे पानी की निरंतर प्रबल धाराएं छोड़ी जाती हैं। हालांकि प्राकृतिक अथवा अन्य आपदा की स्थिति में ये परमाणु संयंत्र अचूक कंप्यूटर प्रणाली से संचालित व नियंत्रित होने के कारण खुद-ब-खुद बंद हो जाते हैं। लेकिन इस अवस्था में विरोधाभासी स्थिति यह होती है कि जल से हाइडोजन और ऑक्सीजन का नाभिकीय विखण्डन तो थम जाता है, किंतु रासायनिक प्रक्रियाएं और भौतिक दबाव एकाएक नहीं थमते। गोया, जलधारा का प्रवाह बंद होते ही रिएक्टरों का तापमान 5000 डिग्री सेंटीग्रेट से बढ़कर 10000 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच जाता है। यह तापमान जीव-जंतुओं को तो क्या स्टील जैसी ठोस धातु को भी पल भर में गला देता है। इस लिहाज से इन संयंत्रों के संभावित खतरों को एकाएक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

नजरिया

शौर्य, स्वाभिमान और पराक्रम के प्रतीक हैं महाराणा प्रताप

संदीप सृजन

मोबाइल : 9406649733

हल्दीघाटी युद्ध के बाद प्रताप ने मेवाड़ के जंगलों और पहाड़ों को अपना ठिकाना बनाया। उन्होंने गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई, जिसमें छोटी-छोटी टुकड़ियों के साथ मुगल सेना पर आकस्मिक हमले किए जाते थे। इस रणनीति ने मुगलों को मेवाड़ के अधिकांश हिस्सों पर कब्जा करने से रोका। प्रताप की सेना में भील और अन्य जनजातीय योद्धा भी शामिल थे, जिन्होंने अपनी स्थानीय जानकारी और युद्ध कौशल से मेवाड़ की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महाराणा प्रताप का जीवन एक ऐसी प्रेरक गाथा है जो हर भारतीय को गर्व से भर देती है। उन्होंने अपने जीवन में कभी हार नहीं मानी और स्वतंत्रता के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष किया। उनकी जयंती हमें न केवल उनके बलिदान को याद करने का अवसर देती है, बल्कि यह हमें अपने जीवन में साहस, स्वाभिमान और देशभक्ति के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। महाराणा प्रताप का नाम हमेशा भारतीय इतिहास के पन्नों में अमर रहेगा, और उनकी गाथा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। महाराणा प्रताप का जन्म जेष्ठ शुक्ला तृतीया, (9 मई 1540) को राजस्थान के कुम्भलगढ़ दुर्ग में हुआ था। उनके पिता महाराणा उदय सिंह द्वितीय मेवाड़ के शासक थे, और उनकी माता रानी जीवत कंवर थीं। प्रताप सिसोदिया राजवंश के गौरवशाली वंशज थे, जो अपनी वीरता और स्वतंत्रता की भावना के लिए प्रसिद्ध थे। बचपन से ही प्रताप में नेतृत्व, साहस और देशभक्ति के गुण दिखाई देने लगे थे। उन्हें युद्ध कला, घुड़सवारी, तलवारबाजी और धनुर्विद्या में प्रशिक्षित किया गया। उनके गुरुओं ने उन्हें न केवल शारीरिक बल, बल्कि मानसिक दृढ़ता और नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया।

प्रताप का बचपन उस समय बीता जब मेवाड़ मुगल शासक अकबर की बढ़ती शक्ति के साये में था। उनके पिता उदय सिंह ने चित्तौड़गढ़ को मुगलों के अधीन होने से बचाने के लिए कड़ा संघर्ष किया, लेकिन 1568 में चित्तौड़गढ़ मुगलों के हाथों में चला गया। इस घटना ने युवा प्रताप के मन पर गहरा प्रभाव डाला और उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए जीवन समर्पित करने का संकल्प लिया। 1572 में उदय सिंह की मृत्यु के बाद प्रताप मेवाड़ के महाराणा बने। उस समय मेवाड़ की स्थिति अत्यंत नाजुक थी। मुगल सम्राट अकबर ने अधिकांश राजपूत रियासतों को अपने अधीन कर लिया था, और मेवाड़ भी उनके निशाने पर था। अकबर ने मेवाड़ को अपने साम्राज्य में मिलाने के लिए कई बार राजनयिक प्रयास किए, लेकिन प्रताप ने मुगलों की अधीनता स्वीकार करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। उनके लिए स्वाभिमान और स्वतंत्रता सर्वोपरि थी। प्रताप का यह निर्णय केवल एक राजनैतिक कदम नहीं था, बल्कि यह उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और मातृभूमि के प्रति उनकी निष्ठा का प्रतीक था। उन्होंने कहा था, मैं अपने पूर्वजों की स्वतंत्रता की विरासत को कभी नहीं छोड़ूंगा। इस संकल्प ने उन्हें मुगल साम्राज्य के खिलाफ एक अडिग योद्धा के रूप में स्थापित किया। महाराणा प्रताप की वीरता का सबसे प्रसिद्ध अध्याय है हल्दीघाटी का युद्ध, जो 18 जून 1576 को लड़ा गया। यह युद्ध मेवाड़ और मुगल सेना के बीच हुआ, जिसमें मुगल सेना का नेतृत्व मानसिंह और आसफ खान कर रहे थे। मुगल सेना की संख्या और संसाधन मेवाड़ की तुलना में कहीं अधिक थे। अनुमान के अनुसार, मुगल सेना में लगभग 80,000 सैनिक थे, जबकि प्रताप की सेना में केवल 20,000 योद्धा थे। फिर भी, प्रताप ने अपने साहस और रणनीति से इस युद्ध को इतिहास में अमर कर दिया। हल्दीघाटी का युद्ध केवल एक सैन्य टकराव नहीं था, बल्कि यह स्वतंत्रता और स्वाभिमान की लड़ाई थी। प्रताप ने अपने प्रिय घोड़े चेतक के साथ युद्ध में अद्भुत पराक्रम दिखाया। चेतक ने अपने स्वामी को युद्ध के मैदान में सुरक्षित रखने के लिए अपनी जान तक न्यौछावर कर दी। एक प्रसिद्ध घटना में, चेतक ने घायल होने के बावजूद प्रताप को युद्धभूमि से सुरक्षित निकाला और एक नाले को पार करने के बाद दम तोड़ दिया। चेतक की यह वफादारी और बलिदान आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हल्दीघाटी युद्ध का परिणाम विवादास्पद रहा। कुछ इतिहासकार इसे मुगलों की जीत मानते हैं, क्योंकि मेवाड़ की सेना को पीछे हटना पड़ा, लेकिन प्रताप की रणनीति और साहस ने मुगलों को मेवाड़ पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने से रोक दिया। युद्ध के बाद भी प्रताप ने हार नहीं मानी और गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाकर मुगलों को लगातार चुनौती दी।

हल्दीघाटी युद्ध के बाद प्रताप ने मेवाड़ के जंगलों और पहाड़ों को अपना ठिकाना बनाया। उन्होंने गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई, जिसमें छोटी-छोटी टुकड़ियों के साथ मुगल सेना पर आकस्मिक हमले किए जाते थे। इस रणनीति ने मुगलों को मेवाड़ के अधिकांश हिस्सों पर कब्जा करने से रोका। प्रताप की सेना में भील और अन्य जनजातीय योद्धा भी शामिल थे, जिन्होंने अपनी स्थानीय जानकारी और युद्ध कौशल से मेवाड़ की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौरान प्रताप को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनके परिवार को जंगलों में भटकना पड़ा, और कई बार भोजन की कमी के कारण उन्हें घास की रोटियां खाकर गुजारा करना पड़ा। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, जब प्रताप की बेटी भूख से रो रही थी, तब उनकी पत्नी ने घास की रोटी बनाई, जिसे देखकर प्रताप की आंखें नम हो गईं। लेकिन इन कठिन परिस्थितियों में भी प्रताप का संकल्प कभी नहीं डगमगाया।

महाराणा प्रताप न केवल एक योद्धा थे, बल्कि एक आदर्श नेता भी थे। उन्होंने अपने सैनिकों और प्रजा के साथ हमेशा सम्मान और सहानुभूति का व्यवहार किया। उनके नेतृत्व में मेवाड़ की जनता ने मुगलों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष किया। प्रताप ने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, भले ही उन्हें कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू था उनकी धार्मिक सहिष्णुता। प्रताप ने सभी धर्मों का सम्मान किया और अपने शासनकाल में किसी भी समुदाय के साथ भेदभाव नहीं किया। उनके दरबार में हिंदू, मुस्लिम और अन्य समुदायों के लोग एक साथ काम करते थे। यह उनकी उदारता और समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

वर्ष 1597 में एक शिकार के दौरान लगी चोट के कारण महाराणा प्रताप की मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु मेवाड़ के लिए एक बड़ा आघात थी, लेकिन उनकी विरासत आज भी जीवित है। मृत्यु से पहले उन्होंने अपने पुत्र अमर सिंह को मेवाड़ की स्वतंत्रता की रक्षा करने का दायित्व सौंपा। महाराणा प्रताप की गाथा केवल मेवाड़ तक सीमित नहीं है। वे भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता, स्वाभिमान और साहस के प्रतीक बन गए। उनकी कहानी आज भी स्कूलों, कविताओं, गीतों और नाटकों के माध्यम से लोगों तक पहुंचती है। राजस्थान में उनकी स्मृति में कई स्मारक और प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जो उनकी वीरता को जीवित रखती हैं। महाराणा प्रताप केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व ही नहीं बल्कि हमारे समाज के लिए आदर्श है, जो स्वाभिमान से जीवन जीने की प्रेरणा देते है। आज के समय में, जब हम आधुनिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प और साहस के साथ किसी भी कठिनाई को पार किया जा सकता है।महाराणा प्रताप का नाम भारतीय इतिहास के स्वर्ण पृष्ठों पर सदैव चमकता रहेगा, और उनकी यशगाथा आने वाली पीढ़ियों को उर्जा प्रदान करती रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

संबोधित

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने प्रयागराज में मंगलवार को वेटरन अचीवर्स अवार्ड 2025 कार्यक्रम के दौरान दिग्गजों और नागरिकों को संबोधित किया।

ईरान-अमेरिका वार्ता पर अभी फैसला नहीं हुआ, लेकिन मिले अच्छे संकेत : आईएईए प्रमुख

वियना/एपी

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी ने बुधवार को कहा कि ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर इस्लामिक गणराज्य और अमेरिका के बीच वार्ता पर अब भी फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, उन्होंने जारी वार्ता को इस दिशा में एक अच्छा संकेत बताया। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक ग्रॉसी ने वियना में एजेंसी की एक सप्ताह तक चलने वाली संगोष्ठी में हिस्सा लेने वाले संवाददाताओं के समक्ष यह टिप्पणी की।

ग्रॉसी ने बताया कि वह लगभग प्रतिदिन ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह अमेरिका द्वारा पश्चिम एशिया के लिए तैनात दूत स्टीव विटकॉफ से भी बात कर रहे हैं। ग्रॉसी ने स्वीकार किया कि बुधवार को उनका एक प्रतिनिधि ईरान की राजधानी तेहरान में था। ईरानी अधिकारियों ने उस अधिकारी की पहचान आईएईए की सुरक्षा शाखा के प्रमुख मास्सिमो अपारो के रूप में की है। यह वही शाखा है जो ईरान में उसके कार्यक्रम की निगरानी के लिए निरीक्षकों को भेजता है, जो अब यूरेनियम को 60 प्रतिशत शुद्धता तक संवर्धित कर सकता है, जो कि हथियार बनाने के लिए जरूरी 90 प्रतिशत शुद्धता के साथ संवर्धित करने की दिशा में तकनीकी कदम है। ग्रॉसी ने कहा, ''फिलहाल, अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। हमें नहीं पता कि कोई समझौता होगा या नहीं।'' हालांकि, उन्होंने बताया कि चल रही बैठकें अच्छा संकेत हैं।

ग्रॉसी ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह किसी समझौते पर पहुंचने की इच्छा का संकेत है। मुझे लगता है कि यह अपने आप में संभव है।''

ईरान और अमेरिका ने अब तक मस्कट, ओमान और रोम में ओमानी विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी की मध्यस्थता में पांच दौर की वार्ता की है। छठे दौर की वार्ता अभी तय नहीं है। इस वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है, जिसके बदले में अमेरिका द्वारा इस्लामी गणराज्य पर लगाए गए कुछ कठोर आर्थिक प्रतिबंधों को हटाया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच आधी सदी से चली आ रही दुश्मनी समाप्त होने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार धमकी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो वे ईरान के कार्यक्रम को निशाना बनाकर हवाई हमले करेंगे।

'पुष्पा 2: द रूल' का होगा वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 31 मई को शाम 7:30 बजे ज़ी सिनेमा पर होगा। पुष्पा' का क्रेज़ एक बार फिर लौट आया है। इस फिल्म के बड़े स्केल से मेल खाते हुए, चैनल ने एक शानदार प्रमोशनल कैंपेन भी तैयार किया है, जो उतना ही भव्य है, जितनी भव्य यह फिल्म है। इस बार ज़ी सिनेमा दर्शकों को पुष्पा के और भी करीब ला रहा है, ऐसे खास प्रोमो के ज़रिए, जिसमें पुष्पा खुद दर्शकों से अपील कर रहा है कि वे अपने पूरे परिवार के साथ बैठकर इस प्रीमियर को देखें। इस अनुभव को असली और दमदार बनाए रखने के लिए, फिल्म के हिंदी वर्सन में पुष्पा को आवाज़ देने वाले श्रेयस तलपड़े ने इन प्रोमो में भी अपनी आवाज़ दी है। उनका जोशीला और जाना-पहचाना अंदाज़ दर्शकों को फिल्म देखने से पहले ही इसकी झलक दे देता है और टेलीविज़न पर पुष्पा का असली अंदाज भी साथ लाता है। हिंदी के साथ-साथ चैनल ने खास मराठी प्रोमो भी लॉन्च किए हैं, जो महाराष्ट्र के प्रमुख क्षेत्रों के दर्शकों से सीधे जुड़ते हैं और इस कैंपेन को एक गहरा तथा रीजनल टच देते हैं। श्रेयस तलपड़े ने कहा, पुष्पा अब सिर्फ एक फिल्म नहीं रही, यह एक फेनोमेनन बन चुका है, जिसने पूरे देश का दिल जीत लिया है। इसका आम लोगों से जो कनेक्शन है और जो एनर्जी है, वह बेमिसाल है। जब ज़ी सिनेमा ने मुझसे यह आइडिया शेयर किया कि पुष्पा खुद दर्शकों से सीधे बात करे और उन्हें प्रीमियर देखने के लिए बुलाए, तो यह उस दुनिया का एक नेचरल एक्सटेंशन लगेगा। इन प्रोमोज़ को वॉइस देना बड़ा मज़ेदार रहा। ये सीधे, पावरफुल अंदाज़ में दर्शकों को जोड़ते हैं। यह दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने और पूरे परिवार को एक साथ स्क्रीन के सामने लाने का एक ज़बर्दस्त तरीका है, और मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं।

राम कपूर और मोना सिंह की सीरीज 'मिस्त्री' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

राम कपूर और मोना सिंह की सीरीज मिस्त्री का टीज़र रिलीज हो गया है। बनिजय एशिया और यूनिवर्सल इंटरनेशनल स्टूडियोज के सहयोग से बनी सीरीज मिस्त्री का निर्देशन ऋषब सेठ ने किया है। इसमें राम कपूर और मोना सिंह लीड रोल में हैं। यह सीरीज 27 जून, 2025 को जियोहॉटस्टार पर प्रीमियर होगी। मिस्त्री, अमेरिका की मल्टी-अवॉर्ड विनिंग सीरीज मॉन्क का भारतीय रूपांतरण है। इसे बनिजय एशिया ने यूनिवर्सल इंटरनेशनल स्टूडियोज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है और निर्देशन ऋषब सेठ ने किया है। राम कपूर इस सीरीज में विचित्र और प्रतिभाशाली जासूस अरमान मिस्त्री का किरदार निभा रहे हैं जबकि मोना सिंह निडर एसीपी सेहमत सिद्दीकी के रूप में नजर आएंगी। इसके अलावा शिखा तलसानिया और क्षितीश दाते भी अहम

भूमिकाओं में दिखाई देंगे। ऋषब सेठ ने कहा, मिस्त्री मेरे लिए एक बहुत ही अलग और संतोषजनक अनुभव रहा।

इस प्रोजेक्ट से जुड़ते ही मैं इसके भीतर उतर जाना चाहता था, क्योंकि इसकी कहानी बेहद दिलचस्प है और अरमान मिस्त्री जैसा किरदार तो उससे भी ज्यादा रोचक है। राम ने अरमान मिस्त्री के हमारे विज़न को पूरी तरह साकार किया है, और मोना, शिखा और क्षितीश जैसे कलाकारों ने भी इस कहानी को और गहराई दी है। शो में अरमान मिस्त्री की भूमिका निभा रहे राम कपूर ने कहा, अरमान मिस्त्री मेरे अब तक निभाए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। मिस्त्री की शूटिंग का अनुभव इतना डूबकर करने वाला रहा कि मैं इस किरदार की हर परत, उसकी अजीब बातें, उसकी होशियारी और उसकी कमजोरियों को करीब से समझ पाया। यह किरदार मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं बेहद खुश हूं कि यह पर्दे पर किस रूप में सामने आया है। मैं अब और इंतजार नहीं कर सकता कि दर्शक और मेरे फैन्स मुझे मिस्त्री के रूप में जियोहॉटस्टार पर देखें।

खालिदा जिया के समर्थकों ने आम चुनाव की मांग को लेकर रैली की

ढाका/एपी

बांग्लादेश की एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी के बैनर तले हजारों छात्रों और युवाओं ने बुधवार को राजधानी ढाका में एक रैली की और दिसंबर में आम चुनाव कराने की मांग की। गत वर्ष अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद सत्ता संभाल रही अंतरिम सरकार के प्रति देश में असंतोष बढ़ रहा है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से जुड़े तीन समूहों के कार्यकर्ता कड़ी सुरक्षा के बीच पार्टी मुख्यालय के बाहर सड़कों पर एकत्र हुए।

बुधवार की रैली कई सप्ताह के राजनीतिक तनाव के बाद आयोजित की गई थी, क्योंकि अंतरिम नेता एवं नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने पद छोड़ने की धमकी दी थी और सैन्य प्रमुख ने दिसंबर में चुनाव के लिए अपना समर्थन सार्वजनिक रूप से घोषित किया था। कई वर्षों से अस्वस्थ चल रहीं जिया हाल ही में लंदन में चार महीने के उपचार के बाद बांग्लादेश लौटीं, जिससे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर चुनाव कराने का दबाव बढ़ गया है।

जिया की धुर विरोधी हसीना पिछले साल जन-विद्रोह के बाद सत्ता से हटने के बाद से ही भारत में निर्वासित जीवन बिता रही हैं। अंतरिम सरकार ने उनकी पार्टी अवामी लीग पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और जिया के बड़े बेटे तारिक रहमान के बुधवार को लंदन से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए रैली को संबोधित करने की संभावना जताई जा रही थी। रहमान लंदन में निर्वासित जीवन बिता रहे हैं।

हाल के सप्ताह में सिविल सेवकों, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों और राष्ट्रीय राजस्व सेवा के कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किये हैं।

'कार्टियर हाई ज्वेलरी' इवेंट में दीपिका पादुकोण ने बिखेरा जलवा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण ने स्वीडन के स्टॉकहोम में कार्टियर हाई ज्वेलरी इवेंट में जलवा बिखेर दिया। दीपिका पादुकोण ना सिर्फ भारत की टॉप अभिनेत्री हैं, बल्कि एक ग्लोबल आइकन भी हैं, जो इंटरनेशनल लग्ज़री वर्ल्ड में भारत की पहली ग्लोबल लग्ज़री ब्रांड एंबेसडर बनकर दमदार मौजूदगी दर्ज करा रही हैं। हाल ही में दीपिका स्वीडन के स्टॉकहोम में 'क्रीन' मूड ऑन! स्टॉकहोम में कार्टियर हाई ज्वेलरी इवेंट में शामिल हुयी, जिसमें उनका रेड अंदाज़ देख रह गए सब दंग रहे गये। दीपिका लाल ड्रेस में एकदम रॉयल लग रही थीं। उन्होंने अपने बाल खुले और स्लीक रखे थे और कार्टियर की हाई ज्वेलरी पहनी थी। इस इवेंट में उनके साथ जोई सलदाना समेत कई इंटरनेशनल चेहरे भी नजर आए। दीपिका इससे पहले भी कार्टियर के कई गाला इवेंट्स में हिस्सा ले चुकी हैं, जैसे अबू धाबी में हुए उनके 25वें एनिवर्सरी सेलिब्रेशन में, जहां वो कार्टियर की बेशकीमती ज्वेलरी में नजर आई थीं। इस बार भी स्टॉकहोम में हो रहे हाई-फैशन गाला के लिए उन्होंने इसी ब्रांड के शानदार ज्वेलरी पीस को चुना। फ्रेंच लग्ज़री ज्वेलरी ब्रांड कार्टियर की ओर से ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर बनने वाली पहली भारतीय चेहरा दीपिका पादुकोण फिलहाल इस बड़े इवेंट में शिरकत कर रही हैं। उनकी लेटेस्ट तस्वीरें देखकर फैंस एकदम दीवाने हो गए हैं। कार्टियर की ग्लोबल एम्बेसडर के तौर पर दीपिका आज इंडियन स्टाइल और पावर को नए दौर में लेकर जा रही हैं।

इंडोनेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को समर्थन दिया

जकार्ता/भाषा

इंडोनेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को सभी संभावित मंचों पर अपना समर्थन देने की बुधवार को प्रतिबद्धता जताई। इंडोनेशिया ने यह समर्थन तब दिया जब जद (यू) सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली के स्पष्ट रुख से अवगत कराने के उद्देश्य के साथ यहां पहुंचा। जकार्ता स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया के विदेश उपमंत्री आरिफ हवास ओग्रोसेनो से मुलाकात की और बताया कि ''पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हमला शांति के माहौल को बाधित करने और समुदायों के बीच दरार पैदा करने का एक प्रयास था''। इसने कहा, ''इंडोनेशियाई पक्ष ने आतंकवादी कृत्यों की निंदा की तथा सभी संभावित मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में (भारत के) समर्थन का वादा किया।'' प्रतिनिधिमंडल ने यहां मुख्यालय में दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ (आसियान) महासचिव काओ किम होर्न से भी मुलाकात की। आसियान के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर कहा गया है कि बैठक के दौरान काओ ने ''अंतर-संसदीय वार्ता और आसियान-भारत सहयोग को बढ़ावा देने में भारतीय संसद की सक्रिय भागीदारी की सराहना की, विशेष रूप से आसियान अंतर-संसदीय सभा (एआईपीए) में एक पर्यवेक्षक के तौर पर।'' इसमें कहा गया है कि उन्होंने आसियान की क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में विभिन्न प्रयासों पर प्रकाश डाला और भारत के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी के लिए क्षेत्रीय समूह की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद से निपटने के संबंध में विचारों का आदान-प्रदान किया।

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के सदस्यों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने अंतर-संसदीय सहयोग समिति के उपाध्यक्ष मुहम्मद हुसैन फदलुल्लाह और इंडोनेशिया-भारत संसदीय मैत्री समूह के अध्यक्ष मुहम्मद रोफिकी से मुलाकात की तथा उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत की मजबूत प्रतिबद्धता के बारे में अवगत कराया।

हर छोटा कदम मायने रखता है : संदीपा धर

मुंबई/एजेन्सी

हर साल 28 मई को मेंस्ट्रुअल हाइजीन डे या पीरियड्स हाइजीन डे मनाया जाता है। इस अवसर पर अभिनेत्री संदीपा धर पीरियड्स हाइजीन पर बात करती नजर आईं। उनका मानना है कि देश में बुनियादी स्वच्छता आज भी एक विशेषाधिकार है और हस्तियों के पास इसमें आगे बढ़कर कुछ करने की जिम्मेदारी है। संदीपा ने बताया, आइए, पीरियड्स से जुड़ी बातों को सामान्य बनाएं। ऐसी पहलों का समर्थन करें जो सैनिटरी पैड्स उपलब्ध कराती हैं और माहवारी स्वच्छता की दिशा में काम करती हैं। उनका मानना है कि हर छोटा कदम मायने रखता है। धर ने बताया, चाहे वह एक पैकेट हो, बातचीत या एक छोटा-सा दान। यह हमारी बहनों, बेटियों, दोस्तों और उन लाखों लड़कियों के लिए हमारा कर्तव्य है, जो इससे बेहतर की हकदार हैं। इससे पहले पीरियड्स हाइजीन कैंपेन में निमरत कौर शामिल हुई थीं और उन्होंने किट बांटे थे। वितरित किए जाने वाले मासिक धर्म देखभाल किट में पूरे महीने चलने वाली सामग्री है - जिसमें सैनिटरी पैड्स, डिस्पोजल पाउच और स्वच्छता संबंधी आवश्यक चीजें शामिल हैं। इन चीजों के साथ ही एक छोटी किताब भी शामिल है, जिसमें बताया गया है कि पीरियड्स के दौरान खुद को ठीक कैसे रखते हैं। निमरत ने बताया, मासिक धर्म किसी भी महिला के स्वास्थ्य का एक आवश्यक, प्राकृतिक और महत्वपूर्ण हिस्सा है। फिर भी यह चुप्पी में लिपटा हुआ है। लोग इस बारे में बात नहीं करते, लड़कियां संकोच महसूस करती हैं, खासकर पिछड़े क्षेत्रों में। मासिक धर्म से संबंधित चीजों को इन जगहों पर बांटने से लाभ मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि यह प्रयास न केवल जीवन की बुनियादी चीजों की कमी को पूरी करता है, बल्कि पीरियड्स के बारे में बातचीत को सामान्य बनाना भी सुनिश्चित करता है, ताकि किसी भी लड़की को इस विषय को लेकर शर्मिंदगी महसूस न करनी पड़े या स्कूल न छोड़ना पड़े।

कलाम की भूमिका के लिये धनुष से बेहतर कोई विकल्प हो ही नहीं सकता था : ओम राउत

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने निर्देशक ओम राउत का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म 'कलाम: द मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की भूमिका के लिये धनुष से बेहतर कोई विकल्प हो ही नहीं सकता था। ओम राउत ने हाल ही में कान्स 2025 में अपनी अगली फिल्म 'कलाम: द मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' की घोषणा की है। यह फिल्म भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जीवन यात्रा पर आधारित एक भव्य बायोपिक होगी। ओम राउत ने कहा, जब आप डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तित्व को पर्दे पर उतारते हैं, तो यह ज़रूरी है कि उनकी उपलब्धियों के साथ-साथ उनकी आध्यात्मिक यात्रा और शिक्षाओं को भी दर्शाया जाए। यह किसी भी बायोपिक का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा होता है। और मुझे नहीं लगता कि धनुष से बेहतर कोई अभिनेता इस गहराई को पर्दे पर उतार सकता था। वह इस भूमिका के लिए एकदम उपयुक्त हैं। मेरी पूरी टीम की ओर से, मैं उन्हें इस महत्वपूर्ण परियोजना का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद देता हूं। ओम राउत ने कहा, डॉ. कलाम की शिक्षाएं हर युवा के दिल में बसी हुई हैं। मैंने कॉलेज के समय उनकी

किताब 'विंग्स ऑफ फायर' पढ़ी थी, और मैं यह पूरी ईमानदारी से कह सकता हूं कि आज जो कुछ भी मैं कर रहा हूं, जो भी बनने की ख्वाहिश रखता हूं, उसका आधार उसी किताब से मिला है।

उस किताब ने मेरी जिंदगी को देखने का नजरिया ही बदल दिया और यही वजह है कि मैं आज यहां खड़ा हूं। ओम राउत ने कहा,डॉ. कलाम की जीवन यात्रा हमेशा से मुझे प्रेरित करती रही है। मैंने महसूस किया कि उनके जीवन की तीन प्रमुख आधारशिलाएं थीं। पहला, शिक्षा। वे एक महान शिक्षक थे और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बहुत महत्व देते थे। दूसरा, नवाचार, खासकर स्वदेशी नवाचार। उन्होंने हमेशा देश के अंदर विकसित होने पर ज़ोर दिया। और तीसरा, दृढ़ निश्चय। अपने लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण। मैं हमेशा से ऐसी फिल्म बनाना चाहता था जो इन तीन मूल्यों को दर्शाए। ईश्वर की कृपा से, निर्माता अभिषेक अग्रवाल ने मेरे पास इसी विषय पर प्रस्ताव लेकर आए। जब उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं इसमें रुचि रखता हूं, तो मैंने कहा कि मैं पहले से ही इसी पर काम कर रहा हूं। वे हैदराबाद से मुंबई आए, हमने विस्तृत चर्चा की और अंततः टी-सीरीज़ और भूषण कुमार भी इस परियोजना से जुड़ गए, जिनके साथ मैंने पहले दो फिल्में की हैं। यह हमारी तीसरी साझेदारी है, और हम पूरी ताकत से आगे बढ़ रहे हैं।

मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैत' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की आने वाली फिल्म डकैत का टीजर रिलीज हो गया है। मृणाल ठाकुर, अदिवि सेश और अनुराग कश्यप स्टारर फिल्म डकैत का का धांसू टीजर रिलीज किया गया है। फिल्म डकैत का निर्देशन शेनिल देव कर रहे हैं। यह बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म है। टीजर में मृणाल, अनुराग और अदिवि का धमाकेदार अंदाज देखने को मिला है। टीजर की शुरुआत होती है मृणाल ठाकुर के इंटेंस लुक से। उसका अतीत उसे बर्बाद करने के लिए उसके पीछे पड़ गया है। मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म डकैत का टीजर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, एक्स के साथ रीयूनियन। कड़वी? नहीं। विनाशकारी? हां, बिल्कुल। फिल्म डकैत 25 दिसंबर 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म डकैत में मृणाल ठाकुर,अदिवि सेश, और अनुराग कश्यप के अलावा प्रकाश राज, जैन मैरी खान, अतुल कुलकर्णी और सुनील जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

'फौजी 2.0' ने पूरे किए 100 शानदार एपिसोड

मुंबई/एजेन्सी

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता संदीप सिंह द्वारा दूरदर्शन के सहयोग से निर्मित देशभक्तिपूर्ण टेलीविज़न ड्रामा, फौजी 2.0 ने 100 सफल एपिसोड्स पूरे करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है । फौजी 2.0, वर्ष 1988 की प्रतिष्ठित सीरीज़ फौजी का एक आधुनिक पुनर्कल्पना थी, जिसने भारतीय दर्शकों को आज के समय के दिग्गज शाहरुख खान से परिचित कराया। इस रीबूट ने सभी पीढ़ियों के दर्शकों के दिलों को छू लिया है। मूल फौजी ने न सिर्फ शाहरुख खान के करियर की शुरुआत की , बल्कि भारतीय टेलीविज़न इतिहास में एक बेंचमार्क भी स्थापित किया, जिसमें दिल को छू लेने वाली कहानी और यादगार संगीत के साथ भारतीय सशस्त्र बलों का जश्न मनाया गया। इसने भारत के सबसे बड़े फिल्म स्टार की यात्रा की नींव रखी और एक ऐसा साउंडट्रैक दिया, जो तुरंत क्लासिक बन गया, जो उस समय टीवी सीरीज़ के लिए दुर्लभ था।

इस उपलब्धि पर फौजी 2.0 के निर्माता संदीप सिंह ने कहा , जब हमने फौजी को पुनर्जीवित करने का फैसला किया, तो हमें पता था कि हमें बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन, हम यह भी जानते थे कि भारत को अपने नायकों को फिर से सम्मानित करने की आवश्यकता है। यह शो हमारे सशस्त्र बलों के लिए एक श्रद्धांजलि है और अदम्य भारतीय भावना को सलाम करता है। अभिनेत्री गौहर खान ने साझा किया, स्क्रीन पर वर्दी में एक महिला के रूप में, मैं उन लड़कियों को प्रेरित करना चाहती थी, जो देश की सेवा करने का सपना देखती हैं। मैं संदीप और दूरदर्शन की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे ऐसी सशक्त कहानी बताने के लिए यह मंच दिया।

शो में अहम भूमिका निभाने वाले विक्की जैन ने कहा, फौजी 2.0 का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। सैन्य जगत के प्यार और अनुशासन ने मुझे एक अभिनेता और एक इंसान के तौर पर बहुत कुछ सिखाया है। 100 एपिसोड्स पूरे करना रचनात्मकता के साथ युद्ध जीतने जैसा लगता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 29-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

उन्माद में व्यक्ति विवेक शून्य होकर बड़े से बड़ा अनर्थ करने में गर्व महसूस करता है यह सबसे बड़ा पाप है। धर्मात्मा पर जब उन्माद का भूत सवार होता है तो वह शैतान और राक्षस के बराबर हो जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक उन्माद अत्यंत खतरनाक है और आतंकवाद का निर्माता है। धार्मिक उन्माद में अंधा बना हुआ व्यक्ति अपने और पराए का ध्यान नहीं रखता। उसके लिए अंधेरा और प्रकाश एक समान हो जाता है। धर्म प्रकाश स्वरूप है जबकि धार्मिक उन्माद तम स्वरूप है। दोनों एक साथ नहीं रह सकते।

दान ही सर्वोत्तम पुण्य : समकित मुनि

महिला स्थानक के पुनर्निर्माण के लिए भूमि शुद्धिकरण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दान ही सर्वोत्तम पुण्य हैं और व्यक्ति रहे या ना रहे लेकिन दान देने से न केवल पुण्यों का उपार्जन होता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी उनसे दान की प्रेरणा मिलती है। साहूकारपेट स्थित महिला स्थानक के पुनर्निर्माण के भूमि शुद्धिकरण के अवसर पर अपने सारगर्भित और ओजस्वी संबोधन में सैकड़ों की संख्या में लोगों को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि धर्मात्मा के साथ कभी भी छल कपट नही करना चाहिए, वर्ना मनुष्य के कल्याण के सारे रास्ते बंद हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म के आवरण में पापों से बचना चाहिए और साधू संतो की निंदा नही करनी चाहिए।

कार्यक्रम में महिला स्थानक के मुख्य सहयोगी उद्योगपति अजीत चौरडिया ने कहा कि उनके परिवार का इस स्थानक से दशकों पुराना भावनात्मक लगाव है और वे इस पुनीत कार्य को पूरा करने में अपना पूरा सहयोग देने के लिए प्रयास करेंगे। स्थानक के निर्माण के लिए

गठित ट्रस्ट के अध्यक्ष गौतमराज सुराना ने पधारे हुए सभी मेहमानों का स्वागत करते हुए मुख्य सहयोगी अजीत चौरडिया सहित सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।उल्लेखनीय है कि लगभग सात दशक पुराने दक्षिण भारत के एकमात्र महिला स्थानक के पुनर्निर्माण का कार्य ट्रस्ट द्वारा किया जायेगा।

समारोह में अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे जिसमें जेठमल चौरडिया, कैलाश मल दूगड, साहूकार पेट संघ के अध्यक्ष प्रकाश चन्द खिंवसरा, संजय पींचा, शांतिलाल मेहता, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रवीण टाटिया, जवाहर लाल दूगड, महेंद्र कांकरिया, महेन्द्र बोहरा, विमल सुराना, सुरेश लूनावत, बादल चन्द बाघमार, नरेन्द्र कांकरिया, गौतमचन्द कांकरिया, नवरतन कांकरिया, सुरेश गुलेछा, एमके कोठारी, नरेश शाह, बाबूलाल गुलेछा, धर्मेश लोढा, मीठालाल पगारिया, सुगनचन्द बोथरा, श्रीचन्द्र प्रकाश तालेडा, अशोक बाफना आदि उल्लेखनीय है।

संचालन हस्तीमल खटोड़ ने किया। ट्रस्ट के महासचिव लूणकरण सुराणा ने सभी दानदाताओं का स्वागत करते हुए स्थानक निर्माण में सहयोग की अपील की। यह जानकारी मीडिया प्रभारी अजीत कोठारी ने दी।

सिवांची संघ द्वारा 210 छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सिवांची मद्रास जैन संघ द्वारा हाल ही में एक छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के 210 स्कूली छात्रों को इस योजना से लाभ मिला। इस अवसर पर संघ के सचिव नेमीचंद देशरला ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है।

कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष चन्दनमल श्रीश्रीमाल ने आए हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं दाताओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस पुनीत कार्य में योगदान देकर इसे सफल बनाया। कार्यक्रम का समुचित संचालन कार्यकारिणी सदस्यों ने एवं सुनील रांका एव मानक छाजेड़ द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संभाला। उपस्थित संघ सदस्य, संघ के उपाध्यक्ष गौतम बाफना, कोषाध्यक्ष प्रवीण कवाड़, सह कोषाध्यक्ष धनराज बागरेचा उपस्थित थे।

मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों ने सार्वजनिक परीक्षाओं में 98% और 95% जैसे उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए। इस उपलब्धि के चलते कई संस्थाओं ने मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति देने में रुचि दिखाई है। इसी उपलक्ष में 27 मई को इंडियन यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष उत्तम कांकरिया, प्रबंध ट्रस्टी राजकुमार दुगड, कोषाध्यक्ष ललित बोहरा तथा आईवाईसीटी के सदस्य लक्ष्मी भंडारी, गौतम लोढ़ा और सोहन ओसवाल ने विद्यालय का दौरा कर छात्रवृत्ति प्रदान की। उनके साथ विद्यालय सचिव दलजीत सिंह डड्डा और गौतम चंद बोहरा भी उपस्थित रहे।

संघ के सदस्यों ने स्मार्ट क्लासरूम, खेल मैदान व अन्य सुविधाओं का निरीक्षण कर विद्यालय की सराहना की।

इंग्लिश क्लब और कौशल विकास कक्षाओं जैसी पहलों से प्रभावित होकर उन्होंने तीन वर्षों का प्रायोजन देने का विचार विमर्श किया है।

यह दौरा प्रेरणादायक और सहयोगात्मक रहा।

इंडियन यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष बने उत्तम कांकरिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थानी लोगों की एक प्रमुख संस्था इंडियन यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष पद उत्तमचन्द कांकरिया और महासचिव पद के लिए अनिता कोचर को मनोनयन किया गया। 6 दशक पुरानी इस संस्था में प्रथम बार महिला की महासचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति की गई है।

उत्तमचन्द कांकरिया एवं अनिता कोचर

एसोसिएशन में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रवीण टांटिया ने अध्यक्ष पद के लिए उत्तम कांकरिया,महासचिव अनिता कोचर, कोषाध्यक्ष दिलीप बोकड़िया, मैनेजिंग ट्रस्टी राजकुमार दुगड़ और ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पद के लिए ललित बाघमार को शपथ दिलाई। एसोसिएशन निर्धन विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति सहित सामुदायिक मेलजोल के अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करती है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उत्तम कांकरिया ने एसोसिएशन द्वारा उनके कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बनाने और सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल बढाने का प्रयास करने और इंडियन यूथ चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अनेक प्रकार की योजनाओं को शुरू करने का संकल्प लिया। अन्त में महासचिव अनिता कोचर ने सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

वियतनाम के विभिन्न शहरों की यात्रा करके लौटे जीतो नार्थ के सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैप्टर द्वारा आयोजित सात दिवसीय वियतनाम दौरा 27 मई को सम्पन्न हुआ। यह यात्रा व्यापारिक दृष्टिकोण से समृद्ध, सांस्कृतिक रूप से जीवंत एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त अनुभवों से परिपूर्ण रही। 33 यात्रियों ने वियतनाम के प्रमुख शहर फूक्रोक, हनोई, हालोंग बे, दा नांग और हो-ची मिन्ह जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया।

जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि यह दौरा संगठन की एकता, आपसी सहयोग और सामाजिक संवाद को नई दिशा देने वाला रहा। महामंत्री विजय सिंघवी, संयोजक कमल पुनमिया और सह-संयोजक अरुण कुमार नाहर ने यात्रा की व्यवस्था संभाली।

बंटवाल हत्याकांड : हालात तनावपूर्ण, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु जिले में बंटवाल के पास कोलाथमाजालु में 35 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के बाद बुधवार को दक्षिण कन्नड़ जिले के कुछ हिस्सों में तनावपूर्ण हालात के बीच मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पुलिस को मामले की गहन जांच करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिये। अब्दुल रहमान और उनके 29-वर्षीय सहकर्मी कलंदर शफी मंगलवार को वाहन से बजरी उतार रहे थे, इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने तलवार से उन पर हमला कर दिया। हमले में रहमान की मौत हो गई और शफी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रहमान की हत्या के मामले को हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की एक मई को सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील दक्षिण कन्नड़ जिले में हुई हत्या से जोड़कर देखा जा रहा है। रहमान की हत्या के बाद जिले में सांप्रदायिक तनाव व्याप्त है, हालांकि पुलिस जांच रिपोर्ट अभी तक सामने नहीं आई है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार देर रात बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, ''मुझे मंगलूरु के बंटवाल में हुई हत्या के बारे में पता चला है। मैंने पुलिस को आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा है।'' घटना के बाद जिले में तनाव को देखते हुए 30 मई की शाम तक निषेधाज्ञा लागू की गई है और सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद निजी बसों पर छिटपुट पत्थरबाजी हुई, खासकर सुरथकल में, जहां कम से कम दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

अब्दुल रहमान के शव को कोलाथमाजालु स्थित उनके निवास से कब्रिस्तान तक ले जाने के दौरान भारी भीड़ जुटी। तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर गुरुपुरा, कैकम्बा, बाजपे और आसपास के इलाकों सहित कई क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस ने बंटवाल ग्रामीण थाने में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि मामले में दीपक, सुमित और 13 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उडुप्पी और चिकमंगलूर से पुलिस बलों को बुलाकर दक्षिण कन्नड़ में तैनात किया गया है।

रहमान की मौत के बाद से व्यापक आक्रोश फैल गया है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दावा किया है कि यह हत्या हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या का बदला लेने के लिए की गई। समुदाय के नेताओं ने आरोप लगाया है कि रहमान की हत्या पूर्व नियोजित थी और नफरत भरे भाषण से प्रेरित थी। दोनों पक्षों की ओर से न्याय की मांग तेज होती जा रही है और अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं। जिला अधिकारियों ने नागरिकों से जांच के दौरान शांति बनाए रखने का आग्रह किया है। दक्षिण कन्नड़ के संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात है, तथा आवाजाही पर नजर रखने और अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए चौकियां स्थापित की गई हैं।

सभी का कल्याण करने के लिए होता है महान आत्माओं का जन्म : आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के आदिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में आदेश्वर वाटिका में विराजित आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि महान आत्माओं का जन्म इस धरती पर सर्वकल्याण करने वाला होता है। तीर्थंकरों का जन्म ही जन्मकल्याणक कहलाता है। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव का जीवन हमें 5 प्रकार की शिक्षा देता है, अच्छा करने से वंचित रहने की वेदना, साधु जनों की सेवा में तत्परता, साधना में धैर्य, अपने पास आई हुई अच्छी चीज दूसरों को देने की भावना, परिस्थिति चाहे कैसी भी क्यों न हो, मनोस्थिति का संतुलन बनाए रखना। संतश्री ने भारतीय संस्कृति के बारे में बताते हुए कहा कि केक काटकर और मोमबत्ती को फूंक मारकर जन्मदिन मनाने वालों को सावधान रहना चाहिए क्योंकि हमारी संस्कृति काटने, बुझाने की नहीं है, अपितु जोड़ने और दीप प्रज्वलित करने की है।

मामुमलपेट सिमंधरस्वामी मंदिर में हुआ शक्रस्तव महाभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मामुलपेट स्थित सिमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर के तत्वावधान में बुधवार को मंदिर प्रांगण में सिमंधर स्वामी शक्रस्तव महाभिषेक का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विशेष औषधियों व रत्नों से प्रभु प्रतिमा का अभिषेक किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर प्रभु प्रतिमा का दर्शन किया और अभिषेक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर सिमंधर स्वामी मंदिर के ट्रस्टी तिलोकचन्द भंडारी, प्रदीपकुमार बेदमुथा, भरतकुमार बालर आदि उपस्थित थे।

भड़काऊ भाषण मामले में गिरफ्तार विहिप नेता पंपवेल को जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता शरण पंपवेल को एक माह पूर्व के कथित भड़काऊ भाषण, सांप्रदायिक तनाव भड़काने और सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप में मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया और फिर उन्हें अदालत ने जमानत दे दी। मामले की विस्तृत सुनवाई बुधवार को होनी है। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी एक मई, 2025 को बाजपे पुलिस थाना क्षेत्र में विहिप कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या होने के बाद के घटनाक्रम को लेकर थी।

मंगलूरु पुलिस द्वारा मंगलवार रात जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 2 मई, 2025 को रात करीब एक बजे मंगलूरु पूर्व पुलिस थाना क्षेत्र के कुंटिकान स्थित ए.जे. अस्पताल के शवगृह में सुहास शेट्टी के शव का पोस्टमार्टम किया गया था। आरोप है कि उसी रात अस्पताल परिसर के बाहर विहिप नेता शरण पंपवेल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कथित तौर पर कहा था कि सुहास शेट्टी की हत्या जिहादी इस्लामी आतंकवादियों ने की है और इसमें प्रतिबंधित संगठन पीएफआई सीधे तौर पर शामिल था।

पंपवेल ने यह भी घोषणा की कि विहिप और अन्य हिंदू संगठन विरोध स्वरूप गत 2 मई को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक दक्षिण कन्नड़ में जिलाव्यापी बंद रखेंगे। उन्होंने लोगों से दुकानें, कार्यालय व अन्य प्रतिष्ठान बंद रखने का आग्रह किया था।

पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जब लोगों ने बंद का समर्थन नहीं किया तो पंपवेल के समर्थकों ने मंगलूरु के विभिन्न हिस्सों में तोड़फोड़ की और जबरन दुकानें एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करवाने के प्रयास किए। इससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा, सांप्रदायिक तनाव बढ़ा और सार्वजनिक शांति भंग हुई।

इस मामले में मंगलूरु पूर्व पुलिस थाने में पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए विहिप नेता शरण पंपवेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 49, 196(1), 324(2), 324(4), 324(5), और 353(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया था। मंगलूरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि जांच के दौरान साक्ष्य जुटाए गए। पंपवेल को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत पूछताछ के लिए दो नोटिस दिए गए लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया। अतः 27 मई (मंगलवार) को कादरी पुलिस ने पंपवेल को हिरासत में लेकर पूछताछ की और फिर गिरफ्तार कर उन्हें मजिस्ट्रेट के आवास पर, उनके समक्ष पेश किया।

मजिस्ट्रेट ने रात्रि में ही पंपवेल को जमानत दे कर उन्हें रिहा करने के आदेश दिये और मामले की विस्तृत सुनवाई बुधवार को निर्धारित की है। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की जांच जारी है।

पंपवेल की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही विहिप कार्यकर्ता और अन्य लोग भारी वर्षा के बीच थाने पहुंचे और उनकी रिहाई की मांग की। इससे क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया। पंपवेल की गिरफ्तारी का विहिप के साथ-साथ भाजपा एवं अन्य हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध किया है।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने रात को हुई पंपवेल की गिरफ्तारी को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का इस्लामी जेहादियों के सामने आत्मसमर्पण बताते हुए इसे तानाशाही और घृणित कार्रवाई करार दिया।

बंसल ने आरोप लगाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार राज्य में हिंदुओं की हत्या रोकने में विफल रही है और अब हिंदुओं के हितों की बात करने वाले शरण पंपवेल जैसे वरिष्ठ नेता को सिर्फ जेहादियों को खुश करने के लिए गिरफ्तार किया गया।

गौसंवर्धन व गौसंरक्षण के लिए हम गौभक्तों को एकजुट होना चाहिए : राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वालजा(चेन्नई)। शहर के जैन गौशाला पहुंचे राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने गौसेवा की। संतश्री ने गौसंरक्षण के विषय पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अनदेखा करना, अनसुना करना, अवहेलना करना, उपेक्षा करना, अनादर करना संविधान को पांव तले कुचलने के समान है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का सभी राज्य सरकारों को सख्त निर्देश है कि राज्य सरकार भू-माफियाओं से गोचर भूमि तत्काल मुक्त कराई जाए और उसका उपयोग गौसंवर्धन के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि नैतिकता के आधार पर सभी राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हुए तत्काल गौभूमि को मुक्त करवाने का काम किया जाना चाहिए जो कि सबसे बड़ी गौसेवा होगी। मुनिश्री कमलेशजी ने बताया कि अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली भू-माफियाओं से गोचर भूमि मुक्त कराने के लिए 10 जुलाई से पूरे देश में सरकार और प्रशासन पर दबाव बनाने का अभियान शुरू करेगा। बुधवार को वालजा जैन गौशाला में अनेक अनुयायियों ने संतों के साथ मिलकर गायों को केला, गुड़, हरी घास खिलाई और राष्ट्रसंत ने गायों को मांगलिक श्रवण करवाया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.